आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, मंगलवार 23 जून 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 203
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2
dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

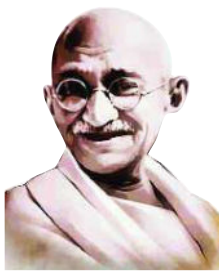

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

डॉ. मुखर्जी को भाजपाईयों ने किया याद

पेज-2

भोजन का भरपूर आनंद ले रही हीना खान

पेज-5

आरटीओ में 15 दिन से सर्वर का संकट

पेज-6

निगम चुनाव से एक साल पहले कांग्रेस में बड़ा बदलाव

चिंटू चौकसे को दिग्विजय से पंगा और वंदे मातरम् विवाद पड़ा भारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • नगर निगम चुनाव से करीब एक वर्ष पहले कांग्रेस ने नगर निगम परिषद में बड़ा राजनीतिक बदलाव करते हुए वार्ड-45 की पार्षद सोनिला मिमरोट को नया नेता प्रतिपक्ष नियुक्त कर दिया है। इसके साथ ही अब तक यह जिम्मेदारी संभाल रहे चिंटू चौकसे को पद से हटा दिया गया है। कांग्रेस संगठन ने इस फैसले के पीछे 'एक व्यक्ति-एक पद' के सिद्धांत को प्रमुख कारण बताया है।

चौकसे वर्तमान में शहर कांग्रेस अध्यक्ष भी हैं। लगभग दस महीने पहले उन्हें यह जिम्मेदारी मिली थी, जिसके बाद पार्टी के भीतर लगातार यह सवाल उठ रहा था कि संगठन और निगम में महत्वपूर्ण पद एक ही व्यक्ति के पास क्यों हैं। इसी बीच सामने आए एक ऑडियो विवाद और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की नाराजगी ने भी बदलाव की चर्चा को हवा दी थी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा जारी आदेश में सोनिला मिमरोट को कांग्रेस पार्षद दल का नेता नियुक्त किया गया है। आदेश प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी की सहमति से जारी हुआ।

नियुक्ति प्रक्रिया पर भी उठे सवाल

नई नियुक्ति के साथ प्रक्रिया को लेकर भी विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस के नियमों के अनुसार नेता प्रतिपक्ष के चयन में पार्षद दल की भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है, लेकिन इस बार न तो पार्षद दल की बैठक बुलाई गई और न ही पार्षदों से औपचारिक रूप से नाम मांगे गए। आदेश सीधे प्रदेश संगठन की ओर से जारी हुआ, जिससे यह संदेश गया कि फैसला पार्षद दल की बजाय संगठन स्तर पर लिया गया। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार सोनिला मिमरोट का नाम संगठन और स्थानीय नेतृत्व दोनों की सहमति से तय हुआ। मिमरोट को इससे पहले शहर महिला कांग्रेस की जिम्मेदारी भी सौंपी जा चुकी है। ऐसे में पार्टी ने उन्हें आगामी निगम चुनावों को देखते हुए नई राजनीतिक भूमिका देने का फैसला किया है।

वरिष्ठ दावेदारों को पीछे छोड़ मिली जिम्मेदारी

नेता प्रतिपक्ष बदलने की चर्चा लंबे समय से चल रही थी। ऐसे में कई वरिष्ठ पार्षद इस पद की दौड़ में माने जा रहे थे। पूर्व नेता प्रतिपक्ष फौजिया शेख अलीम, तीन बार की पार्षद विनितिका यादव और चार बार की पार्षद रुबीना इकबाल खान के नाम प्रमुख दावेदारों में शामिल थे। राजनीतिक जानकारों को उम्मीद थी कि अनुभव को देखते हुए विनितिका यादव को मौका मिल सकता है, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व ने पहली बार की पार्षद सोनिला मिमरोट पर भरोसा जताया।

नाम बड़े, दर्शन खोटे

लाखों रुपए की फीस फिर भी बच्चे हुए बीमार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर के शिशुकुंज स्कूल झलारिया कैंपस में खराब आईसक्रीम से 100 से ज्यादा बच्चे बीमार पड़े। प्रशासन ने किचन सील किया और 23 फूड सैंपल जांच के लिए भेजे। एक्सपायरी मसाले भी मिले।

इंदौर के महंगे और प्रतिष्ठित माने जाने वाले शिशुकुंज स्कूल झलारिया कैंपस में मैनेजमेंट की भारी लापरवाही सामने आई है। पालकों की शिकायतों के बाद प्रशासन ने ताबड़तोड़ कार्रवाई की और स्वास्थ्य, फूड, स्कूल शिक्षा, प्रशासन की संयुक्त टीम पहुंची। सौ से ज्यादा बच्चों की बीमार होने का कारण आईसक्रीम बताई जा रही है। शिशुकुंज स्कूल झलारिया कैंपस में सोमवार को एक साथ कई पालक पहुंचे। यहां मैनेजमेंट को शिकायत करते हुए बताया कि शानिवार शाम से उनके बच्चों को पेटदर्द हो रहा है। साथ ही उल्टियां हो रही है। खाने को लेकर शिकायत की गई। बात कलेक्टर शिवम वर्मा तक पहुंची।

मोटी फीस लेता है स्कूल- करीबी तीन लाख प्रति छात्र फीस लेता है शिशुकुंज। बीमार होने वाले छात्र पहली से चौथी क्लास वाले हैं।

■ **एक्सपायरी डेट वाले पदार्थ मिले, किचन सील :** निरीक्षण के दौरान स्कूल किचन में एक्सपायरी डेट निकल चुके मसालों के 10 पैकेट और नमकीन के 2 पैकेट पाए गए। जिसका केस बनाया गया। संयुक्त दल द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए स्कूल के किचन को आगामी आदेश तक के लिए सील कर दिया गया है। मामले में नियमानुसार प्रकरण भी तैयार किया गया है।

■ **कलेक्टर ने कहा- दें शिकायत की जानकारी :** कलेक्टर वर्मा ने विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी भी स्कूल, हॉस्टल, मेस, कैंटीन अथवा खाद्य प्रतिष्ठान में गंदगी, मिलावट, अस्वच्छ परिस्थितियां, बिना लाइसेंस खाद्य कारोबार या अन्य खाद्य सुरक्षा संबंधी अनियमितताएं दिखाई दें, तो इसकी सूचना दें। कलेक्टर हेल्पलाइन 0731-181 पर शिकायतों पर प्रशासन द्वारा त्वरित जांच और कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

- लखनऊ अग्निकांड : सभी 15 मृतकों के परिवारों को सौंपी 5-5 लाख की सहायता राशि
- दिल्ली : तकिया काले खां में झुग्गियों में लगी भीषण आग
- जॉर्ज कुरियन ने केंद्रीय राज्य मंत्री के पद से इस्तीफा दिया
- शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 11 पैसे गिरकर 94.74 पर आया
- बठिंडा में बीजेपी नेता और डॉक्टर के क्लिनिक पर पेट्रोल बम से हमला
- यूरोप में भीषण गर्मी, फ्रांस में कम से कम 18 लोगों की मौत
- तेज प्रताप यादव ने अपने पीए पर लगाया 20 लाख रुपये चोरी का आरोप
- भारत आ रहे फर्टिलाइजर के जहाज ने होर्मुज पार किया
- उत्तराखंड गुरुद्वारा बवाल : 2 निहंग सिख बाहर आए, बाकियों के साथ बातचीत जारी
- स्टारमर के पद छोड़ने के बाद ट्रंप ने की आलोचना, कहा- ऊर्जा, आव्रजन और अपराध बड़ी चुनौतियां
- गाजा में इजरायली एयरस्ट्राइक : परीक्षा देने जा रही छात्रा की मौत
- टाइटैनिक के मलबे की नीलामी पर अमेरिकी ने लगाई रोक

5 जुलाई से अन्ना हजारे फिर बैठेंगे अनशन पर

मुंबई (एजेंसी) • सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे एक बार फिर से अनशन कर सकते हैं। उन्होंने महाराष्ट्र सरकार को कड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि अगर राज्य सरकार ने सूचना का अधिकार (आरटीआई) नियमों में किए गए बदलावों को तुरंत वापस नहीं लिया तो वह 5 जुलाई से अहमदनगर जिले के रालेगण सिद्धि में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू करेंगे। अन्ना हजारे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर अपनी नाराजगी जाहिर की है। हजारे ने अपने पत्र में कहा कि महाराष्ट्र सरकार द्वारा 12 जून को लागू किए गए 'महाराष्ट्र सूचना का अधिकार नियम, 2026' आरटीआई कानून की मूल

भावना के खिलाफ हैं। उनका कहना है कि इन नए नियमों से पारदर्शिता कमजोर होगी और आम नागरिकों के लिए जानकारी हासिल करना पहले से ज्यादा मुश्किल हो जाएगा। अन्ना हजारे ने खास तौर पर आरटीआई आवेदन फीस में बढ़ोतरी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने फीस बढ़ाने के पीछे कोई ठोस तर्क या वित्तीय विश्लेषण पेश नहीं किया है। हजारे ने स्पष्ट किया कि आरटीआई कानून का उद्देश्य सरकार के लिए राजस्व जुटाना नहीं, बल्कि जनता को सूचना का अधिकार देना है। उन्होंने यह भी मांग की कि यदि फीस बढ़ाई जाती है, तो जानकारी देने में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर लगने वाला जुर्माना भी बढ़ाया जाना चाहिए। इसके अलावा, नए नियमों में आरटीआई आवेदन के साथ पहचान पत्र देना अनिवार्य किए जाने पर भी हजारे ने कड़ा विरोध जताया। उनका कहना है कि आरटीआई एक्ट की धारा 6(2) के तहत आवेदक को अपनी निजी जानकारी या आवेदन का कारण बताने की कोई बाध्यता नहीं है।

रेलवे और बस स्टेशन बनकर तैयार, लेकिन उन्हें जोड़ने वाली सड़क अब तक अधूरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर में सड़कों का चौड़ीकरण तो होता है, लेकिन नई सड़कें कम बनती हैं। जिन सड़कों को बनाने का फैसला लिया गया, उनमें से एक सड़क पिछले दस वर्षों से अधूरी पड़ी है। खास बात यह है कि एमआर-4 मार्ग पर नया रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड बनकर तैयार हो चुके हैं, लेकिन सड़क कब बनेगी, इसका कोई पता नहीं है। नगर निगम इस सड़क के निर्माण के लिए भागीरथपुरा क्षेत्र के 200 से अधिक निर्माण नहीं हटा पा रहा है।

इस सड़क का निर्माण सिंहस्थ-2016 के दौरान शुरू हुआ था, लेकिन 10 साल बाद भी यह पूरी नहीं हो सकी है। ढाई साल बाद उज्जैन में सिंहस्थ-2028 आयोजित होने वाला है। तब तक

इस सड़क का निर्माण होना जरूरी है, क्योंकि इस मार्ग पर दो बस स्टैंड और तीन रेलवे स्टेशन स्थित हैं। सिंहस्थ के समय बाहर से आने वाले यात्रियों के लिए यह सड़क सबसे अधिक उपयोगी साबित होगी। यदि यह सड़क बन जाती है तो श्रमिक क्षेत्र के स्वदेशी मिल मार्ग पर ट्रैफिक का दबाव कम होगा। इंदौर से उज्जैन जाने वाला यातायात भी इसी मार्ग से होकर गुजर सकेगा, लेकिन सड़क निर्माण को लेकर नगर निगम पर्याप्त रुचि नहीं दिखा रहा है। रहवासियों को दो वर्ष पहले नोटिस दिए जा चुके हैं, लेकिन भागीरथपुरा दूषित पेयजल कांड के बाद जनप्रतिनिधि सड़क निर्माण के लिए अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई से बच रहे हैं।

पार्षद कमलेश कालरा विवाद में जीतू यादव का नाम पूरक चालान से हटा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • भाजपा नेता और एमआईसी सदस्य रहे जीतू यादव को पार्षद कमलेश कालरा विवाद मामले में बड़ी राहत मिली है। पुलिस जांच में पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिलने के बाद जीतू यादव का नाम पूरक चालान से हटा दिया गया है। पुलिस ने कोर्ट में पेश किए गए पूरक चालान में स्पष्ट किया है कि घटना के दौरान जीतू यादव की मौजूदगी या उनकी प्रत्यक्ष भूमिका के प्रमाण नहीं मिले हैं।

पुलिस की ओर से कोर्ट में पेश किए गए पूरक चालान के अनुसार जांच के दौरान ऐसे कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिले, जिनसे यह साबित हो सके कि जीतू यादव घटनास्थल पर मौजूद थे या उन्होंने सीधे तौर पर किसी प्रकार की धमकी या अभद्रता की थी। जांच में पार्षद कमलेश कालरा की पत्नी अर्चना कालरा, बेटे दीपेश और अन्य परिजनों के बयान भी दर्ज किए गए। पुलिस के अनुसार इन बयानों में भी जीतू यादव की घटनास्थल पर मौजूदगी का कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं मिला। कमलेश कालरा और जीतू यादव के बीच का विवाद उस समय भाजपा संगठन और प्रदेश नेतृत्व तक पहुंच गया था।

गॉडजिला अल नीनो से भारत में सूखे का खतरा बढ़ा

नई दिल्ली (एजेंसी) • भारत समेत दक्षिण एशिया के कई देशों में सूखे और बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। इसकी वजह अल नीनो की मजबूत स्थिति है। नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी के मुताबिक पश्चिमी प्रशांत महासागर में 1997 के बाद ऐसी परिस्थितियां बन रही हैं। 29 साल पहले इतिहास का सबसे शक्तिशाली अल नीनो बना था, जिसे सुपर या गॉडजिला अल नीनो कहा गया। जून 2026 में वैसी ही स्थिति बनती दिख रही है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह पिछले कुछ दशकों का सबसे प्रभावशाली अल नीनो हो सकता है। नासा के सैटेलाइट ने समुद्र में जमा हो रही भारी मात्रा में गर्मी की फोटो और आंकड़े जारी किए हैं। 1997-98 के अल नीनो के कारण दुनिया के कई हिस्सों में भीषण बाढ़, सूखा, फसलों को भारी नुकसान और रिकॉर्ड स्तर की गर्मी दर्ज की गई थी। मौजूदा अल नीनो भी उसी दिशा में बढ़ सकता है। नासा के सेंटिनल-6 माइकल फ्रीलिच सैटेलाइट से मिले आंकड़ों के मुताबिक भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के बड़े हिस्से में समुद्र का जलस्तर सामान्य से ज्यादा है।

उज्जैन शहर में खुलेगा डीपटेक रिसर्च एंड डिस्कवरी सेंटर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

उज्जैन • मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश को विज्ञान एवं नवाचार के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए उज्जैन में डीपटेक रिसर्च एंड डिस्कवरी सेंटर खोलने की प्रक्रिया तेज हो गई है। करीब 400 करोड़ रुपए की लागत से यह सेंटर शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज परिसर में स्थापित किया जाएगा।

उज्जैन को साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में एक और बड़ी सौगात मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार उज्जैन में जल्द ही डीपटेक रिसर्च एंड डिस्कवरी सेंटर खोला जाएगा। इसके लिए उज्जैन के तारामंडल में सोमवार को मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव एम. सेलवेंद्रन, संभागायुक्त आशीष सिंह और कलेक्टर रौशन कुमार सिंह की बैठक हुई। बैठक में मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी के साथ आईआईटी की टीम के सदस्य भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की समीक्षा बैठक में सेंटर की स्थापना को लेकर चर्चा की थी।

संगठन अधर में! भाजपा में नियुक्तियों पर कब लगेगी मुहर ?

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • भाजपा में श्यामाप्रसाद मुखर्जी जयंती पर अभियान तेज। संगठनात्मक नियुक्तियां लंबित। कार्यकर्ता नाराज। चुनाव से पहले फैसलों पर सवाल उठ रहे हैं। एमपी बीजेपी एक बार फिर बड़े वैचारिक और राजनीतिक अभियानों की तैयारी में जुट गई है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती वर्ष पर 23 जून से 6 जुलाई तक प्रदेशभर में कार्यक्रमों की लंबी श्रृंखला शुरू होने जा रही है। सवाल यह है कि क्या बीजेपी संगठन का पूरा ध्यान सिर्फ आयोजनों तक सीमित होकर रह गया है, जबकि कई महत्वपूर्ण संगठनात्मक फैसले महीनों से लंबित पड़े हैं?

बड़े-बड़े आयोजन, लेकिन संगठन में बढ़ती बेचैनी : भाजपा लगातार नए कार्यक्रमों और अभियानों का ऐलान कर रही है। बूथ स्तर से लेकर जिला और प्रदेश स्तर तक गतिविधियों का कैलेंडर तैयार हो रहा है। इसके बावजूद जमीनी कार्यकर्ताओं के बीच एक अलग तरह की नाराजगी और निराशा दिखाई दे रही है। कारण यह है कि संगठन से जुड़े कई अहम निर्णय अब तक फाइलों से बाहर नहीं निकल पाए हैं। मंडल और निगम-मंडलों में नियुक्तियों का इंतजार लंबा होता जा रहा है, जबकि प्रदेश कार्यसमिति के विस्तार को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। कार्यकर्ताओं का सवाल: मेहनत करने वालों की बारी कब?

संगठन के भीतर सबसे ज्यादा चर्चा इस बात को लेकर है कि वर्षों से पार्टी के लिए काम करने वाले कार्यकर्ता अब भी इंतजार कर रहे हैं। दूसरी तरफ प्रभावशाली और राजनीतिक रूप से मजबूत नेताओं को लगातार महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां और पद मिलते दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में जमीनी स्तर पर यह सवाल उठ रहा है कि आखिर संगठन उन कार्यकर्ताओं को कब याद करेगा, जिन्होंने चुनावों और आंदोलनों में पार्टी के लिए लगातार काम किया।

क्या दिग्गजों की खींचतान बन रही देरी की वजह?

भाजपा के अंदरूनी गलियारों में चर्चा है कि कई नियुक्तियां और संगठनात्मक फैसले वरिष्ठ नेताओं के बीच सहमति नहीं बनने के कारण अटके हुए हैं। हालांकि, पार्टी की ओर से इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं है, लेकिन लंबे समय से लंबित फैसले कई तरह के सवाल जरूर खड़े कर रहे हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यदि सब कुछ सामान्य होता तो संगठनात्मक नियुक्तियां इतनी देर तक लंबित नहीं रहतीं।

चुनाव करीब, लेकिन संगठनात्मक तस्वीर धुंधली : प्रदेश में अगले विधानसभा चुनाव में अब लगभग दो साल का समय बचा है। ऐसे समय में आमतौर पर राजनीतिक दल संगठन को मजबूत करने और जिम्मेदारियों का स्पष्ट बंटवारा करने पर जोर देते हैं।

इंदौर-भोपाल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष- उपाध्यक्षों के नाम अब तक उलझे

मध्य प्रदेश में एक और जहां अधिकांश आयोग, निगम और प्राधिकरणों में अध्यक्ष-उपाध्यक्ष की नियुक्ति हो गई है, वहीं इंदौर और भोपाल विकास प्राधिकरण के अध्यक्षों के नाम अभी तक फाइनल नहीं हो पाए हैं, लेकिन राजधानी के राजनीतिक गलियारों में आज फिर इस संबंध में चर्चाएं शुरू हुई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आज शाम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के बीच हुई चर्चा में नए सिरे से नामों को लेकर विचार किया गया है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कुछ दिनों पहले जब बाकी प्राधिकरण के नाम फाइनल हो रहे थे तब इंदौर और भोपाल से भी नाम फाइनल हो गए थे और आदेश जारी होने वाले थे, लेकिन इसके पहले की आदेश जारी होते, पार्टी में उन नामों का जोरदार विरोध शुरू हो गया। परिणाम यह हुआ कि उस समय उनके नाम के आदेश जारी होने से रोक दिए गए। माना जा रहा था कि कुछ दिनों बाद यह मामला ठंडा हो जाएगा, लेकिन मामला तो ठंडा नहीं हुआ लेकिन फाइल जरूर ठंडे बस्ते में चली गई। आखिर, अब लगता है कि इन नामों पर अगले कुछ दिनों में मोहर लगा सकती है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि पूर्व में चर्चा में आए नाम को ही फाइनल किया जाएगा या नए नाम सामने आएंगे।

न्यूज़ ब्रीफ

जिला कौशल विकास समिति की बैठक संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय में जिला कौशल विकास समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के शासकीय आईटीआई में संचालित प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं पाठ्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में कलेक्टर वर्मा ने निर्देश दिए कि वर्तमान समय की मांग और औद्योगिक संस्थानों की आवश्यकताओं के अनुरूप युवाओं को प्रशिक्षण दिया जाए, ताकि उन्हें बेहतर रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें। उन्होंने कहा कि कौशल विकास का उद्देश्य केवल प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि युवाओं को रोजगार से जोड़ना भी है। कलेक्टर ने युवाओं से शासकीय आईटीआई में संचालित आधुनिक एवं रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि आईटीआई के माध्यम से युवाओं को तकनीकी दक्षता प्राप्त होती है, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ते हैं।

मध्य प्रदेश के क्रिप्टो ट्रेडर्स भारत के सबसे सतर्क निवेशकों में शामिल,

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारत के 6,000 से अधिक सक्रिय क्रिप्टो ट्रेडर्स और निवेशकों पर किए गए एक सर्वेक्षण में सामने आया है कि मध्य प्रदेश देश के सबसे सतर्क क्रिप्टो बाजारों में से एक है। राज्य के 73% क्रिप्टो ट्रेडर्स, यानी लगभग चार में से तीन निवेशक, अपने कुल पोर्टफोलियो का 10% से भी कम हिस्सा क्रिप्टो में रखते हैं। यह आंकड़ा सर्वे में शामिल सभी राज्यों में सबसे अधिक है और राष्ट्रीय औसत 48.4% से काफी ऊपर है। यह दर्शाता है कि मध्य प्रदेश के ट्रेडर्स और निवेशक क्रिप्टो को किसी सट्टेबाजी के रूप में नहीं, बल्कि अपने व्यापक वित्तीय पोर्टफोलियो में एक सीमित और जोखिम-संतुलित निवेश विकल्प के रूप में देखते हैं।

डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर भाजपाईयों ने किया याद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, महामंत्री सुधीर कोल्हे, महेश कुकरेजा, कैलाश पीपले और हरप्रीत सिंह बक्शी ने बताया कि जनसंघ के संस्थापक व प्रथम अध्यक्ष डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का आज 23 जून को बलिदान दिवस है। आज विजय नगर स्थित उनकी प्रतिमा पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक रमेश मेंदोला, मधु वर्मा, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता माल्यार्पण कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद किया गया।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि डॉ मुखर्जी ने जम्मू और कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने के लिए तथा भारत की एकता, अखंडता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपने जीवन का बलिदान किया। कश्मीर को जवाहर लाल नेहरू ने विशेष दर्जा देते हुए धारा 370 लागू की, जिसका विरोध करते हुए बिना परमिट के डॉ मुखर्जी ने दिल्ली से लेकर जम्मू कश्मीर तक यात्रा निकालने का निर्णय लिया।

देवास नाका फ्लाईओवर अब पकड़ेगा रफ्तार निर्माण में बाधक बने अतिक्रमण हटाए गए

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के देवास नाका फ्लाईओवर निर्माण में बाधक बने अतिक्रमण को सोमवार को जिला प्रशासन, इन्दौर नगर निगम तथा मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के संयुक्त सहयोग से हटाया गया। मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के संभाग इन्दौर अंतर्गत देवास नाका चौराहे पर 6 लेन फ्लाईओवर निर्माण कार्य प्रगति पर है।

इस परियोजना के तहत देवास नाका चौराहे से मांगलिया की ओर बाई तरफ स्थित लगभग 40 दुकानों के अतिक्रमण के कारण फ्लाईओवर एवं सर्विस रोड निर्माण कार्य बाधित हो रहा था। इस संबंध में संबंधित दुकानदारों द्वारा मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की गई थी।

उच्च न्यायालय के निर्देशानुसार जिला प्रशासन इन्दौर को दुकानदारों द्वारा प्रस्तुत आपत्तियों का परीक्षण एवं निराकरण कर नियमानुसार कार्रवाई किया जाना था। कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा आवेदकों की आपत्तियों का नियमानुसार निराकरण किया गया। इसके बाद अधिकांश दुकानदारों ने स्वयं अपने अतिक्रमण हटा लिए, जबकि शेष अतिक्रमण को 22 जून को जिला प्रशासन, इन्दौर नगर निगम तथा मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के संयुक्त सहयोग से हटाया गया। अतिक्रमण हटने से अब फ्लाईओवर एवं सर्विस रोड निर्माण कार्य में तेजी आएगी और इसे शीघ्र पूर्ण कर यातायात सुगम बनाया जा सकेगा।

मेहनत, लगन, धैर्य व विश्वास से लक्ष्य का निर्धारण किया जा सकता है - मिश्र

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अपने लक्ष्य निर्धारण में मेहनत, लगन, धैर्य व विश्वास महत्वपूर्ण हैं। इसके बिना किसी लक्ष्य को प्राप्त करना कठिन है। प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान, परिवार और समाज का सम्मान है, जो कि भविष्य के निर्माण में प्रोत्साहन व ऊर्जा प्रदान करता है। यह बात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, शिक्षाविद और प्रबंधन गुरु डॉ. पी.एन. मिश्रा ने कही। श्री मिश्रा श्री महर्षि गौतम शैक्षणिक एवं पारमार्थिक न्यास द्वारा आयोजित कॅरियर व रोजगार मार्गदर्शन एवं महर्षि गौतम गौरव सम्मान समारोह में बोल रहे थे। शिक्षाविद के. सी. शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता प्राप्ति के लिए आत्मविश्वास और संतुष्टि अत्यंत आवश्यक है। डॉ. संजीव वैद्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि अगर आप प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने के बाद भी अगर असफल होते हैं, तब भी आप उसे अंतिम नतीजा ना माने क्योंकि आपने जो तैयारी के दौरान सीखा है वह आपके पूरे जीवन में काम आएगा। उन्होंने कहा कि आप सूरज ना बन पाए तो चिंता न करें, आप सितारे बन कर आसमान में जरूर चमकेंगे।

नवीन संत-सदन का लोकार्पण समारोह विमल सागर-अनंत सागर महाराज के सानिध्य में हुआ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● दिगंबर जैन समाज स्मृति नगर की श्रद्धा , सेवा एवं सामूहिक समर्पण से निर्मित नवीन संत सदन का लोकार्पण समारोह पूज्य मुनि श्री विमल सागर जी एवं अनंत सागर जी महाराज के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ। उक्त भवन का शिलान्यास समाधिस्थ संत आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के कर कमलों से हुआ था। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने बताया कि आज रविवार को जाप्यानुष्ठान, श्री जी के अभिषेक, शांति धारा, संगीतमय पूजन व शांति विधान हुआ। तत्पश्चात पूज्य मुनि विमल सागर महाराज ने अपने प्रवचन में कहा कि जब स्मृति नगर में आचार्य विद्यासागर महाराज के चरण पड़े थे तब इस भवन का शिलान्यास उन्हीं के कर कमलों से हुआ था।

इंदौर देपालपुर सिटी बस चालू करने को लेकर छात्रों ने दिया ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

देपालपुर ● देपालपुर से इंदौर तक सिटी बस सेवा प्रारंभ की जाए। देपालपुर से इंदौर की दूरी लगभग 45 किलोमीटर की है वर्तमान में देपालपुर से इंदौर की जो प्राइवेट निजी बस सेवाएं हैं वह ठीक हालत में नहीं है इंदौर से देपालपुर की दूरी 45 किलो मीटर की होने के बावजूद निजी बसें लगभग 80 से 100 मिनट के बीच पहुंचाती हैं। देपालपुर तहसील मुख्यालय होने के साथ-साथ देपालपुर के आसपास लगभग 100 से अधिक गांव लगते हैं देपालपुर में उच्च शिक्षा के लिए पर्याप्त शिक्षा व्यवस्था नहीं होने से देपालपुर सहित आसपास के 100 गांव के छात्र-छात्राएं इंदौर उच्च शिक्षा अध्ययन के लिए प्रतिदिन आना जाना करते हैं निजी बसों की हालत ठीक नहीं होने से, अत्यधिक यात्रा समय लगने और ज्यादा किराया दर होने आदि की समस्याओं को देखते हुए शीघ्र अति शीघ्र देपालपुर इंदौर के लिए सिटी बस सेवा प्रारंभ करवाई जाए। निजी यात्री बसों की दिक्कत के चलते क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को अध्ययन के लिए आए दिन अपने निजी वाहनों से इंदौर जाना पड़ता है और आए दिन वह दुर्घटनाओं के शिकार होते हैं। सिटी बस सेवा प्रारंभ होने से क्षेत्र के छात्र-छात्राओं सहित आमजन को अच्छी यात्री सुविधा मिल सकेगी छात्र और युवा शक्ति ने कहा है कि जल्द ही हम इस विषय पर इंदौर महापौर पुष्यमित्र भार्गव से मिलकर अपनी बात रखेंगे और निवेदन करेंगे की इंदौर देपालपुर सिटी बस सेवा जल्द से जल्द चालू की जाए ताकि आने वाले समय में छात्र-छात्राओं का भविष्य शिक्षा के क्षेत्र में निडरता के साथ चल सके और आने-जाने में असुविधाएं ना हो।

पढ़ाई के लिए निजी वाहनों से जाना पड़ता है इंदौर हादसों का बना रहता है डर

101 करोड़ में तैयार हुआ एमपी का पहला एयर कंडीशनर बस स्टैंड, डेढ़ साल से खा रहा धूल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● करीब 101 करोड़ रुपए की लागत से तैयार हुआ मध्य प्रदेश का पहला वातानुकूलित आइएसबीटी इंदौर के कुमेड़ी में अब भी धूल खा रहा है। करीब डेढ़ साल पहले बस स्टैंड का नोटिफिकेशन हो चुका है, लेकिन चालू करने के लिए कोई गंभीर प्रयास नहीं हो रहे है। आइडीए ने बनाया, लेकिन चालू करने के लिए प्रशासन और आरटीओ की ओर निगाहे है। आरटीओ ध्यान ही नहीं दे रहा है। वे आइएसबीटी आने को तैयार नहीं-करीब एक महीने पहले आइएसबीटी को लेकर ट्रेवल्स संचालकों की बैठक आइडीए में हुई थी। ट्रेवल्स संचालक अपनी बसें सरवटे बस स्टैंड या बीच शहर में दूसरी जगह से चलाते हैं, लेकिन वे आइएसबीटी आने को तैयार नहीं हुए। डेढ़ साल पहले आइएसबीटी का निर्माण पूरा हो चुका है। जनवरी 2025 में आरटीओ ने आइएसबीटी को बस स्टैंड का दर्जा देने के लिए नोटिफिकेशन करा दिया है। इसके बाद जल्द बस स्टैंड का संचालन शुरू होना चाहिए, लेकिन डेढ़ साल बाद भी नहीं हो पाया है। सूख रही हरियाली आइएसबीटी में तमाम काम के साथ ही हरियाली के लिए पौधे लगाए गए थे। पौधों की देखरेख नहीं से सूख गए हैं। पिछले दिनों इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था।

बारिश से पहले एक्शन में एमपीआईडीसी 70 लाख रुपए से होगी सफाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मानसून की दस्तक से पहले मध्यप्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआईडीसी) ने औद्योगिक क्षेत्रों को जलभराव मुक्त और हरित बनाने के लिए कमर कस ली है। पीथमपुर, एसईजेड, स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क, मेघनगर, निमरानी, जेतापुर और हातोद सहित प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों में विशेष अभियान शुरू किया गया है। इसके तहत स्टॉर्म वॉटर ड्रेनों की सफाई के लिए करीब 70 लाख रुपए खर्च किए जाएंगे, ताकि बारिश के दौरान उद्योगों के कामकाज पर कोई असर न पड़े। एमपीआईडीसी ने औद्योगिक क्षेत्रों में हरियाली बढ़ाने की भी अनूठी पहल की है। निगम वर्षा ऋतु में पौधारोपण के लिए अपनी रिक्त भूमि उद्योगों को अस्थायी रूप से उपलब्ध कराएगा। इच्छुक उद्योग आवेदन कर निर्धारित प्रक्रिया के तहत भूमि प्राप्त कर सकेंगे। मानसून के दौरान बिजली आपूर्ति बाधित न हो, इसके लिए

एमपीआईडीसी ने मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी को पत्र लिखकर विद्युत लाइनों और संबंधित अधोसंरचना के रखरखाव की मांग की है। जल निकासी व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वालों पर भी निगम सख्त नजर रख हुए है। ड्रेनों में कचरा डालने के मामले में तीन उद्योग संचालकों को नोटिस जारी किए गए हैं।

बाधा बनने वाले अवरोध हटाएं-कार्यकारी संचालक हिमांशु प्रजापति ने उद्योगों से अपील की है कि ड्रेनों को स्वच्छ रखने और जल प्रवाह में बाधा बनने वाले अवरोध हटाने में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि उद्योगों और प्रशासन के संयुक्त प्रयासों से ही मानसून के दौरान बेहतर, सुरक्षित और व्यवस्थित औद्योगिक वातावरण सुनिश्चित किया जा सकता है।

'योग फॉर हेल्दी एजिंग' विषय पर योग कार्यशाला संपन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● योग दिवस के अवसर पर निशा जोशी योग अकादमी एवं योग गंगा योगिक, साइंटिफिक एंड स्पिरिचुअल रिसर्च फाउंडेशन, इंदौर द्वारा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) परिसर, में 'योग फॉर हेल्दी एजिंग' विषय पर तीन दिवसीय विशेष योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला पूर्णतः निःशुल्क रही अकादमी द्वारा विगत 11 वर्षों से राष्ट्रसेवा की भावना के साथ योग दिवस पर कार्यशाला , स्वास्थ्य शिविर रूपी निःस्वार्थ सेवाएं प्रदान की जा रही हैं।

कलेक्टर ने स्ट्रांग रूम का किया निरीक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर ने कलेक्टर कार्यालय के सामने स्थित निर्वाचन भवन में स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने स्ट्रांग रूम में रखी गई ईवीएम मशीनों की व्यवस्था को देखा। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी भी ली। इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी नवजीवन विजय पवार सहित अन्य अधिकारी व राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

गौतमपुरा के निर्मल गांव में बना अवैध शराब का अड्डा

सोमकंपनी और पार्टनर मिलकर कर रहे अवैध शराब का काला कारोबार

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

गौतमपुरा में सोम कंपनी और उनके पार्टनरों ने गांवों में अवैध शराब का बड़ा साम्राज्य खड़ा कर दिया इतना ही नहीं राष्ट्रपति से सम्मानित गांवों में अवैध शराब के अड्डे बना दिए, निर्मल गांव बछोड़ा,नोलाना, फर्कोदा, इंगोट युद्ध मैदान में खुलेआम अवैध शराब के अड्डे चल रहे हैं। जानकारी में पता चला दुकानों से ज्यादा शराब हिंगोट युद्ध मैदान में बिक रही है। ठेकेदार उनके पार्टनरों ने मिलकर अवैध शराब का बड़ा साम्राज्य गौतमपुरा क्षेत्र में खड़ा कर दिया पुलिया के पास बनी दुकान सोम कंपनी ने ली है। हिमालय ट्रेडर्स के नाम से दुकान का संचालन मोहन जायसवाल सोम कंपनी के मालिक और गौतमपुरा के कुछ पार्टनर मिलकर कर रहे हैं, लेकिन गांवों में दूध से ज्यादा शराब की दुकानें खुलवा दी इतना ही नहीं फरकोदा में किराना दुकानों में शराब आसानी से मिल रही है लेकिन आबकारी विभाग के जिम्मेदार अधिकारी कुंभकरण की नींद सोए हैं। इतना ही नहीं गौतमपुरा पुलिस का भी ध्यान इस और नहीं है सुबह से ही गौतमपुरा से शराब की गाड़ियां भरकर ठेकेदार गांवों में भेजते हैं। लेकिन गौतमपुरा पुलिस ने अब तक कोई बड़ी कार्रवाई नहीं की है ठेकेदार और पार्टनर मिलकर शासन और प्रशासन को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं। अवैध शराब का कारोबार क्षेत्र में अब कानून को ठेंगा दिखा रहा है जिम्मेदार बोलने को तैयार नहीं अधिकारी कार्रवाई करने से भागते नजर आ रहे हैं। सोम कंपनी ने ऊपर से लेकर नीचे तक सेटिंग जमा रखी है सूत्र बताते हैं कि लिफाफे के दम पर पूरा सिस्टम जमा हुआ है। इसलिए भी शराब ठेकेदारों के हौसले बुलंद हो रहे हैं सूत्र बताते हैं कि गौतमपुरा में बाहर से भी अवैध शराब का माल आ रहा है बाहर की शराब से मोटी कमाई का बड़ा खेल चलता है। इसलिए भी दुकान के अलावा ठेकेदार बाहर का माल सप्लाई करते हैं। निर्मल गांव बछोड़ा के ग्रामीणों ने शराब दुकान को लेकर ठेकेदार पर गंभीर आरोप लगाए हैं बताया है कि हमारा गांव राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया गया गांव है शराब ठेकेदार इसकी फिजा बिगड़ने में लगे हैं समय रहते हैं अगर शराब ठेकेदार ने दुकाने बंद नहीं कराई तो हम इसकी शिकायत सहायक आबकारी अधिकारी और इंदौर कलेक्टर के समक्ष करेंगे।

इस मामले में एरिया इंस्पेक्टर भगवान दास अहिरवार ने कहा है कि गौतमपुरा क्षेत्र में अवैध शराब के ठिए नहीं चलेंगे किसी ठेकेदार ने खोले तो हम कठोर कार्यवाही करेगा आज ही हम इन गांवों का निरीक्षण करेंगे।

मौसम बिगड़ने से यदि आपूर्ति व्यवधान आएं तो टीमें लगाकर तेजी से सुधार कराएं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने कहा कि मालवा निमाड़ में भी मानसून की सक्रियता की स्थिति बनने लगी हैं, अलग अलग जिलों में अलग समय में तेज हवा, आंधी, वर्षा हो रही है। ऐसे में यदि मौसम बिगड़ने से यदि विद्युत आपूर्ति व्यवधान की स्थिति निर्मित होती है तो बिजली कंपनी जोन, वितरण केंद्र प्रभारी तुरंत संज्ञान लेकर कम समय में आपूर्ति सामान्य करने की कोशिश करें। अतिरिक्त टीमें लगाकर सुधार कार्य कम समय में कराया जाए, आपूर्ति सामान्य करने का अभियान पूरी तन्मयता, गंभीरता, तत्परता के साथ चलाया जाए। उच्चदाब संकाय के कार्मिकों की भी मदद ली जाए, कार्यपालन यंत्री, अधीक्षण यंत्री प्रभावित क्षेत्रों का सतत पर्यवेक्षण करे एवं अतिरिक्त साधन, कार्मिक मुहैया कराने में मदद करें। श्री सिंह ने कहा कि मौसमी कारण, पेड़ गिरने से व्यवधान संभव हैं, लेकिन हमारी सफलता तभी हैं जब बड़े व्यवधान को छोटी सी अवधि में सामान्य करने की सफलतम कोशिश कर उपभोक्ताओं को राहत प्रदान की जाए।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, मंगलवार 23 जून 2026

एआई से बनाए फर्जी नीट पेपर, 30-35 छात्रों से वसूले पैसे

लॉ स्टूडेंट को कोटा साइबर सेल ने खरीदार बनकर पकड़ा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● फर्जी नीट प्रश्न पत्र बेचने के आरोप में गिरफ्तार इंदौर के लॉ स्टूडेंट ने पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उसने बताया कि इंस्टाग्राम पर एक फर्जी प्रश्न पत्र की स्टोरी पोस्ट करने पर उसे करीब 8 हजार लाइक्स मिले थे। इसके बाद सैकड़ों मैसेज आने लगे। वह सोशल मीडिया पर फेमस होना चाहता था, इसलिए बढ़ते लाइक्स और मैसेज ने उसका उत्साह बढ़ा दिया।

छात्र ने पुलिस को बताया कि उसने फर्जी नीट प्रश्न पत्र चेटजीपीटी और अन्य एआई आधारित एप्लीकेशन की मदद से तैयार किए थे। शुरुआत में वह बिना नीट का नाम लिखे प्रश्न पत्र पोस्ट करता था, लेकिन उन्हें ज्यादा रिस्पॉन्स नहीं मिला। बाद में जब नीट परीक्षा दोबारा होने की चर्चाएं शुरू हुईं तो उसने नीट के नाम से फर्जी प्रश्न पत्र पोस्ट करना शुरू कर दिया।

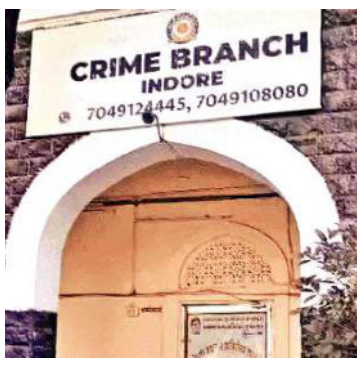

इसी दौरान उसकी पोस्ट कोटा साइबर सेल की नजर में आ गई। साइबर सेल ने खरीदार बनकर उससे संपर्क किया और चैटिंग शुरू कर दी। भरोसा जीतने के लिए उसके अकाउंट में पैसे भी ट्रांसफर किए गए। दूसरी तरफ एक टीम उसकी लोकेशन और अन्य जानकारियां जुटाने में लगी रही। जानकारी पुख्ता होने के बाद इंदौर पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस जांच में सामने आया कि इंस्टाग्राम ने छात्र को दो बार अलर्ट भी भेजा था, लेकिन उसने चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया। इसके बाद उसका अकाउंट ब्लॉक कर दिया गया।

इंदौर क्राइम ब्रांच की एसआईटी ने 20 जून को छात्र को गिरफ्तार किया था। आरोप है कि उसने इंस्टाग्राम पर फर्जी लिंक शेयर कर 30 से 35 छात्रों से रुपए वसूले थे। पूछताछ में यह भी सामने आया कि वह सोशल मीडिया पर लोकप्रियता हासिल करने और तेजी से पैसे कमाने के लिए यह पूरा खेल चला रहा था।

क्राइम ब्रांच के टीआई नीरज मेढ़ा के मुताबिक, पुलिस टीम छात्र के घर पहुंची। परिवार को नीट परीक्षा से जुड़े कोटा पुलिस के ईमेल की जानकारी दी गई। इसके बाद छात्र को रीगल स्थित कंट्रोल रूम लाया गया। यहां उसके माता-पिता और अन्य परिजन भी पहुंचे। दिनभर उससे पूछताछ होती रही। परिवार को बताया गया कि वरिष्ठ अधिकारी मामले में संज्ञान लेंगे।

भोपाल की ताल के चौपाल से

जब खाकी वाले साहब इंदौरी, मैडम फाइल वूमेन और उपमुख्यमंत्री पोस्टमैन बनें...

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

मध्य प्रदेश की नौकरशाही और सियासत के दिलचस्प किस्से, जहां इंदौर प्रेम में मग्न डीजी साहब, नाराज उपमुख्यमंत्री और महिला आईएएस अफसरों की खींचतान चर्चा में है। मंत्रालय की पांचवीं मंजिल से लेकर पुलिस मुख्यालय तक सत्ता का खेल कभी थकता नहीं। यहां हर गलियारे में एक कहानी है, हर फाइल के नीचे एक राज है और हर तबादले के पीछे एक दास्तान। इस हफ्ते के बोल हरि बोल में मिलिए एक ऐसे खाकी वाले साहब से जिनका दिल भोपाल में नहीं लगता, एक उपमुख्यमंत्री से जो पोस्टमैन बनते-बनते बचे, दो महिला आईएएस की जंग, जिसने पूरे महकमे को हलकान किया हुआ है। साथ ही, एक ऐसी नोटशीट वाली मैडम से जहां रहती हैं वहां के साहब की नींद उड़ जाती है। सत्ता के इस रंगमंच पर पर्दा उठता है वरिष्ठ पत्रकार हरीश दिवेकर के लोकप्रिय कॉलम बोल हरि बोल....

खाकी का दिल इंदौर में, तन भोपाल में

कहते हैं जहां मन लगे वहीं घर होता है। और एक सोशल डीजी साहब ने तो इसे अक्षरशः सच कर दिखाया है। भोपाल में बड़े पद पर हैं, बड़ी जिम्मेदारी है, बड़ा महकमा है, लेकिन दिल वो तो साहब का इंदौरी प्रेम में कहीं अटका पड़ा है। साहब का इंदौर प्रेम इतना गहरा है कि सरकारी बंगला वहीं, परिवार वहीं, और किसी न किसी बहाने टूर प्रोग्राम बनाकर साहब का काफिला भी वहीं। भोपाल में रहते हैं तो पुलिस मेस में। बिल्कुल किसी मेहमान की तरह, जैसे अपने ही शहर में पेइंग गेस्ट हों। सोशल मीडिया पर भी साहब की मौजूदगी जबरदस्त है। शायद इंदौर के चक्कर काटते-काटते डिजिटल दुनिया में भी छाप छोड़ने का शौक जाग उठा है। वैसे नियम कहता है मुख्यालय छोड़ने से पहले अनुमति लेनी होती है। लेकिन जैसा तुलसीदास जी कह गए, समरथ को नहिं दोष गुसाई।

क्या मैं पोस्टमैन हूं उपमुख्यमंत्री? का गुस्सा फूटा

डॉ साहब के कुनबे के सीनियर उपमुख्यमंत्री इन दिनों आग-बबूला हैं। और वजह है उनके अपने प्रमुख सचिव। उनका मनमाना अंदाज अब उनके सब्र की सीमा तोड़ चुका है। हुआ यूं कि तबादलों के आखिरी दिन पीएस महोदय ने तबादला सूची भेजी। ठीक वैसे जैसे परीक्षा की रात पाठ्यक्रम खोला जाए। बस फिर क्या था, उपमुख्यमंत्री का फोन गया और शब्द सीधे निकले, इतने दिन सूची दबाए बैठे रहे, अब आखिरी घड़ी में भेज रहे हो। क्या मैं पोस्टमैन हूं? शिकायत डॉ साहब तक पहुंची। और भला हो डॉ साहब का उन्होंने तबादले की तारीख एक दिन के लिए बढ़ा दी। वरना मलाई वाले महकमे के मंत्री होते हुए भी तबादले की बारिश में साहब सूखे ही रह जाते।

दो मैडम, एक महकमा और रोज की खींचतान

अब बात करें उस जंग की जो फाइलों के बीच नहीं, अहंकार के बीच लड़ी जा रही है। सरकार के आला अफसर इन दिनों दो वरिष्ठ महिला ड्रग अधिकारियों की तू-तू मैं-मैं से हलाकान हैं। आए दिन एक-दूसरे की चुगली, अपनी-अपनी ढपली और अपना-अपना राग और इस सबके बीच एक बड़ा नीतिगत फैसला लटका पड़ा है। ऊपर से कड़े निर्देश आ चुके हैं कि ईगो साइड में रखकर काम करें। अब देखना यह है कि निर्देशों का असर मैडमों की जिद पर पड़ता है या नहीं।

मैडम गईं- पीएस साहब ने चैन की सांस ली

कुछ राहतें बिना मांगे मिलती हैं और कुछ तबादले बिना दुआ किए नहीं होते। एक प्रमुख सचिव साहब कई महीनों से एक अड़ियल मैडम की फाइलबाज़ी से इतने परेशान थे कि उन्हें चौथी-पांचवीं मंजिल तक गुहार लगा दी। डर यह था कि मैडम किसी फाइल पर ऐसी नोटशीट न लिख दें जो अगले दिन अखबार की सुर्खी बन जाए और यह डर बेबुनियाद भी नहीं था। यही वो मैडम हैं जिनकी एक नोटशीट ने पूर्व मुख्य सचिव और एक रिटायर्ड आईएफएस अधिकारी को मुश्किल में डाल दिया था- रिटायर्ड आईएफएस पर तो ईओडब्ल्यू में एफआईआर तक दर्ज हो गई। अब वह मैडम का तबादला हो गया है। पीएस साहब ने राहत की सांस ली है। मंत्रालय के गलियारों में फिलहाल एक अजीब सी शांति है। वो शांति जो किसी तूफान के जाने के बाद आती है।

जैन समता संघ ने साधु-साध्वी-भगवंतों की सेवा में जुटे 40 चिकित्सकों का किया अभिनन्दन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जैन संतों, मुनियों और साधु-साध्वी वृन्द की शहर की 70 किमी परिधि और सातों दिशाओं में विहार के दौरान नियमित रूप से सेवा करने वाले शहर के 78 समर्पित परिवारों और समाज के साधु-साध्वी-भगवंतों की निष्काम सेवा में समर्पित रहने वाले 40 प्रख्यात चिकित्सकों का श्री साधुमार्गी जैन समता संघ की साधारण सभा एवं सेवा समर्पण सम्मान समारोह में आत्मीय अभिनन्दन किया गया।

गुमास्ता नगर स्थित मुकुट मांगलिक भवन पर आयोजित इस कार्यक्रम में पहले चरण में वर्ष 2025-26 का आय-व्यय विवरण सर्वानुमति से पारित किया गया, जिसे कोषाध्यक्ष अजय चौरड़िया ने प्रस्तुत किया। इस मौके पर संघ के अध्यक्ष पारस बोहरा ने आगामी तीन चातुर्मास कार्यक्रमों की रूपरेखा बताई और युवा संघ के अध्यक्ष, मंत्री और कोषाध्यक्ष के मनोनयन की भी घोषणा की। मीडिया प्रभारी पद के लिए मनीष बोहरा को पुन: सर्वसम्मति से नियुक्त किया गया। इस अवसर पर रामामृतम योजना के संयोजक अनीश सूर्या ने अभियान की अब तक की प्रगति एवं उपलब्धियों का विवरण दिया। महामंत्री पिंकेश पगारिया ने गत वर्ष का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और राकेश पोरवाल ने युवा संघ की गतिविधियों का ब्यौरा दिया। राष्ट्रीय दान पेटी प्रकल्प की सह-संयोजक श्रीमती आभा डूंगरवाल ने जब बताया कि इंदौर संघ ने इस प्रकल्प में पूरे देश में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है तो समूचा सभागृह करतल ध्वनि एवं गुरुदेव के जयघोष से गूंज उठा।

अतिथियों का स्वागत अमित नवलखा, सुभाष गोखरु एवं अन्य पदाधिकारियों ने किया। कार्यक्रम में समता संघ के बहुमंडल की कार्यकारिणी सहित सभी सहयोगी संगठनों के पदाधिकारी भी उपस्थित थे। संचालन पिंकेश पगारिया एवं ललित दुगड़ ने किया। शुभारंभ रामामृतम ध्यान साधना एवं समता शाखा आराधना के साथ हुआ।

अमरनाथ यात्रा मार्ग पर लंगर सेवा के लिए कांटाफोड़ मंदिर के भक्तों ने जुटाई 16 मीट्रिक टन राशन सामग्री

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बोल बम एवं बाबा बर्फानी के जयघोष के बीच सोमवार शाम को नवलखा स्थित मनकामेश्वर कांटाफोड़ शिव मंदिर से अमरनाथ यात्रा मार्ग पर लंगर सेवा के लिए करीब 16 मीट्रिक टन राशन सामग्री से भरा ट्रक वैदिक मंत्रोच्चार के बीच बालटाल एवं पंचतरणी के लिए रवाना किया गया। इन दोनों स्थानों पर कांटाफोड़ शिव मंदिर को अमरनाथ श्राइन बोर्ड ने गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी अपनी लंगर सेवा चलाने की अनुमति प्रदान की है। बालटाल में खन्ना-पंजाब के श्री अमरनाथ सेवा दल के सहयोग से पिछले 17 वर्षों से कांटाफोड़ शिव मंदिर द्वारा लंगर सेवा चलाई जा रही है। बालटाल में -1 डिग्री तापमान एवं भारी बर्फबारी के बीच लंगर सेवा के लिए शेड एवं तम्बू लगाने का काम पूरा हो गया है। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष विष्णु बिंदल, टीकमचंद गर्ग, सुभाष बजरंग एवं संयोजक बी.के. गोयल ने बताया कि कांटाफोड़ मंदिर से जुड़े भक्तों द्वारा पंचतरणी में भी बड़ी लंगर सेवा 3 जुलाई से चलाई जाएगी। सोमवार शाम को मंदिर से लंगर सेवा के लिए जो राशन सामग्री भेजी गई है उसमें शहर के विभिन्न क्षेत्रों से संग्रहित 16 मीट्रिक टन से अधिक खाद्यान्न है।

उज्जैन में बनेगा स्थायी सिंहस्थ कार्यालय, कैबिनेट में प्रस्ताव आज

भोपाल (एजेंसी) ● धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग का संचालनालय भोपाल से उज्जैन शिफ्ट करने के बाद अब मोहन सरकार उज्जैन में स्थायी सिंहस्थ मेला कार्यालय शुरू करने जा रही है। इससे संबंधित प्रस्ताव मंगलवार को मंत्रालय में होने वाली कैबिनेट बैठक में रखा जाएगा। प्रस्ताव के अनुसार उज्जैन में सिंहस्थ मेला कार्यालय स्थायी रूप से संचालित किया जाएगा। वर्तमान में मेला कार्यालय केवल सिंहस्थ आयोजन के दौरान सक्रिय रहता है, लेकिन अब इसे नियमित रूप से चलाया जाएगा।यह कार्यालय हर 12 साल में होने वाले सिंहस्थ महाकुंभ और 6 साल में आयोजित अर्धकुंभ की तैयारियों, योजना और प्रबंधन से जुड़े कार्यों की निगरानी करेगा। कार्यालय शुरू करने की प्रशासनिक तैयारियां पहले ही पूरी की जा चुकी हैं। कैबिनेट बैठक में सहकारिता विभाग का महत्वपूर्ण प्रस्ताव भी रखा जाएगा। इसमें प्रदेश के 24 लाख से अधिक किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर कृषि ऋण देने वाली योजना को वर्ष 2026-27 में भी जारी रखने की मंजूरी दी जा सकती है।

फाइल फोटो

प्रदेश में करीब एक करोड़ किसान हैं, जिनमें से लगभग 24 लाख किसान सहकारी बैंकों से जुड़े हैं। ये किसान किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण लेते हैं। निर्धारित अवधि के भीतर ऋण चुकाने पर किसानों से कोई ब्याज नहीं लिया जाता। इस ब्याज की राशि राज्य सरकार स्वयं वहन करती है।

3 दिन में 93.6 मिमी वर्षा, जून में सवा चार इंच बारिश

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● मानसून भले ही सक्रिय न हुआ हो तो मावठा गिरने का दौर लगातार तीसरे दिन जारी है। सोमवार दोपहर में शहर और आस-पास के क्षेत्रों में कहीं मध्यम तो कहीं तेज बारिश हुई, जिसका असर शाम तक दिखाई दिया। शासकीय जीवाजी वेधशाला के अनुसार सोमवार को शहर में 9 मिमी बारिश दर्ज की गई। इसके पहले रविवार को 25.6 और शनिवार को 59 मिमी बारिश हुई थी। जून माह में अब तक कुल 108 मिमी बारिश हो चुकी है। बारिश के कारण दिन के तापमान में मामूली कमी आई है जबकि रात का पारा चढ़ गया है।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्राप्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर, गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

भक्तों की रक्षा के लिए खाटू श्याम बाबा दौड़े चले आएँगे, बशर्ते हमारे मन में सच्ची श्रद्धा बनी रहे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● जिसके ईष्ट और कुलदेवता खाटू वाले श्याम बाबा हों, उन्हें श्याम भागवत अवश्य सुनना चाहिए। निर्धन, नि:संतान और दुर्भाग्य से घिरे लोगों को श्याम बाबा की कृपा अवश्य मिलती है। दिलचस्प बात यह भी है कि श्याम बाबा अपने भक्तों की मनोकामना पूरी करने और भक्तों की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहते हैं। जीवन में जब सब दूर से विफलता मिले, निराशा घेर ले, चारों ओर से पराजय मिलने लगे तो खाटू श्याम बाबा की शरण में पहुँच कर सच्चे भाव से अपनी अर्जी लगाएं तो अवश्य स्वीकार होगी। कोई खाली हाथ नहीं लौटता श्याम सरकार के दरबार से। सच्चे मन से की गई हर पुकार और प्रार्थना पूरी करने के लिए श्याम बाबा खुद दौड़े चले आते हैं। यही कारण है कि कलियुग में श्याम बाबा के मंदिरों और भक्तों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। ये दिव्य विचार हैं दिल्ली के प्रख्यात भागवताचार्य पं. संजय प्रभाकर के, जो उन्होंने सोमवार को एयरपोर्ट रोड, अंबिकापुरी स्थित श्री खाटू श्याम धाम मंदिर के 29वें वार्षिकोत्सव में चल रही श्याम भागवत के दौरान व्यक्त किए। महामंडलेश्वर स्वामी गोपालदास महाराज के सानिध्य में अ.भा. खाटू श्याम अखाड़े के अनेक संत-विद्वान इस महोत्सव में शामिल होने आए हुए हैं। कथा शुभारंभ के पूर्व व्यास पीठ का पूजन विजय कालानी, विनोद मित्तल, हीरालाल कुमावत, विजय शर्मा, महेश वर्मा, सुरेश सेन एवं उमेश यादव ने किया। विद्वान वक्ता की अगवानी मातृशक्ति की ओर से मालती जायसवाल, रेखा परमार, पूजा गोयल, शांतनु शर्मा, शालिनी जैन, संतोष खंडेलवाल, सुमित्रा शर्मा, गंगा जैन एवं समिति से जुड़े सुनील शुक्ला, सुनील पांडे, मयंक मंडवाल, धीरेंद्र जायसवाल ने की।

महाकाल क्षेत्र में साड़ी बेचते 11 संदिग्ध युवक पकड़े

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● महाकाल क्षेत्र से देर रात 11 संदिग्ध लोगों को पकड़ा गया है। हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ताओं ने इन लोगों को चिह्नित कर पुलिस के हवाले किया। इनमें से कुछ को मौके से पकड़कर थाने भेजा गया, जबकि अन्य के संबंध में भी पुलिस को जानकारी दी गई है। संगठन के पदाधिकारी अर्जुन प्रताप सिंह ने आरोप लगाया कि पकड़े गए लोगों के पास पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के आधार कार्ड मिले हैं। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी जिन संदिग्धों को पुलिस को सौंपा था, उनके दस्तावेज भी मुर्शिदाबाद से जुड़े पाए गए थे। सिंह ने सभी मामलों की गहन जांच की मांग करते हुए कहा कि केवल आधार कार्ड के आधार पर नागरिकता मान लेना उचित नहीं है।

सम्पादकीय

लखनऊ अग्निकांड से क्या कोई सबक सीखेगा प्रशासन?

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज इलाके में सोमवार को एक व्यावसायिक इमारत में आग लग जाने से विद्यार्थियों समेत कम से कम 15 लोगों की मौत की घटना ने एक बार फिर भवनों की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। देश भर में आए दिन इस तरह के हादसे हो रहे हैं, लेकिन न तो शासन-प्रशासन और न ही भवन मालिकों की ओर से व्यवस्था को सुधारने की दिशा में प्रभावी कदम उठाने को लेकर कोई गंभीरता नजर आती है। हालांकि, कोई हादसा किसी मामूली कोताही का नतीजा हो सकता है, लेकिन उससे सबक लेकर अगर भविष्य में सावधानी बरतने और बचाव के जरूरी इंतजाम नहीं किए जाते हैं, तो यह आपराधिक लापरवाही को दर्शाता है। सवाल है कि हादसे के तत्काल बाद सरकार की ओर से जो गंभीरता दिखाई जाती है, वह व्यावसायिक इमारतों में सुरक्षा प्रबंधों को पुख्ता करने के मामले में नजर क्यों नहीं आती है? जांच का दायरा और उसके नतीजों का प्रभाव सिर्फ संबंधित हादसे तक ही सीमित क्यों रह जाता है? खबरों के मुताबिक, जिस व्यावसायिक इमारत में आग लगी, वहां विद्यार्थियों के लिए कोचिंग सेंटर और कैफे संचालित किए जाते थे। यह रिहायशी इलाका है, जहां ज्यादातर आर्थिक रूप से संपन्न लोग रहते हैं। आग इतनी तेजी से फैली कि इमारत से बाहर निकालने का रास्ता भी अवरुद्ध हो गया और कुछ लोग अंदर ही फंसे रह गए। हादसे की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि दमकल कर्मियों को दीवार में छेद कर दूसरी इमारत की छत के रास्ते मृतकों के शवों और घायलों को बाहर निकालना पड़ा। ऐसे में सवाल है कि जब इस इमारत में व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा रही थीं, क्या वहां आपात स्थिति में सुरक्षा के माकूल बंदोबस्त नहीं किए गए थे? लोगों के बाहर निकलने के लिए क्या वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था मौजूद नहीं थी। जाहिर है कि इन सभी सवालों के जवाब गहन जांच के बाद ही सामने आएंगे, लेकिन यह देखना होगा कि क्या इस हादसे के सभी दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा या नहीं। गौरतलब है कि हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक होटल में आग की ऐसी ही एक घटना में इक्कीस लोगों की जान चली गई थी। पिछले वर्ष जुलाई में दिल्ली के राजेंद्र नगर स्थित एक कोचिंग सेंटर के तहखाने में जलभराव के कारण तीन युवाओं की मौत हो गई थी। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि देश भर में व्यावसायिक इमारतों में सुरक्षा मानकों पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। पिछले दिनों आग की कई घटनाओं में जांच के बाद यह बात सामने आई है कि संबंधित भवन मालिकों के पास अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाणपत्र ही नहीं था। इससे यही साबित होता है कि ऐसे हादसों के लिए न केवल भवन मालिक, बल्कि सरकार के संबंधित महकमों के अधिकारी भी जिम्मेदार हैं।

राम मंदिर के चढ़ावे चोरी का मामला नियम-कायदे रख दिए ताक पर, होगी मुसीबत

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी और हेराफेरी के मामले में स्ढ्ढ्ञ जांच कर रही थी । सूत्रों के अनुसार जांच में सामने आया है कि दान पेटियों की सुरक्षा और गिनती में लापरवाही बरती गई, सीसीटीवी फुटेज से छेड़छाड़ की बात सामने आ रही है। मामले में कई कर्मचारियों और संलिप्त लोगों पर बड़ी कार्रवाई की तैयारी है। सूत्र बताते हैं कि रिपोर्ट के आधार पर मंदिर से जुड़े कई सेवादारों की सेवाएं समाप्त की जा सकती हैं। हालांकि अभी तक किसी नाम की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन मंदिर परिसर में कार्रवाई की अटकलों ने हलचल बढ़ा दी है। जांच के दौरान राम मंदिर ट्रस्ट के सचिव से भी बंद कमरे में करीब तीन घंटे तक पूछताछ की गई थी । इस दौरान जांच अधिकारियों ने चढ़ावे के संग्रह, सुरक्षा व्यवस्था, निगरानी तंत्र और प्रशासनिक प्रक्रियाओं से जुड़े कई सवाल पूछे। सूत्रों का दावा है कि पूछताछ के दौरान कई महत्वपूर्ण जानकारियां जांच टीम को मिली हैं, जिन्हें रिपोर्ट का हिस्सा बनाया गया है।

भले ही रिपोर्ट तैयार हो चुकी हो, लेकिन स्ढ्ढ्ञ की गतिविधियां अभी जारी हैं। जांच टीम के कई सदस्य अभी भी अयोध्या में मौजूद हैं और अंतिम सत्यापन में जुटे हैं। माना जा रहा है कि कुछ बिंदुओं पर अतिरिक्त जानकारी जुटाई जा रही है ताकि रिपोर्ट पूरी तरह तथ्यात्मक और तकनीकी रूप से मजबूत रहे।

राम मंदिर में चढ़ावे से जुड़ी कथित अनियमितताओं की जांच में सबसे बड़ा सवाल श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को लेकर उठ रहा है। मंदिर निर्माण से लेकर उसके संचालन तक जिस व्यक्ति की भूमिका सबसे प्रभावशाली मानी गई, आज वही नाम जांच और बहस के केंद्र में दिखाई दे रहा है। दरअसल, राम मंदिर निर्माण का श्रेय जिन चुनिंदा लोगों को दिया जाता है, उनमें चंपत राय सबसे प्रमुख चेहरों में गिने जाते हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और विश्व हिंदू परिषद के पूर्णकालिक प्रचारक रहे चंपत राय ने दशकों तक अयोध्या में रहकर राम मंदिर आंदोलन को गति दी। मंदिर आंदोलन के समर्थक उन्हें समर्पित, अनुशासित और सादगीपूर्ण जीवन जीने वाला कार्यकर्ता मानते हैं।

हालांकि उनकी कार्यशैली को लेकर समय-समय पर सवाल भी उठते रहे। अयोध्या के कई संतों और मंदिर आंदोलन से जुड़े पुराने चेहरों का आरोप रहा कि ट्रस्ट के गठन और मंदिर निर्माण की प्रक्रिया में अनेक पुराने कार्यकर्ताओं और संतों को अपेक्षित महत्व नहीं मिला। यही वजह है कि ट्रस्ट बनने के बाद से एक वर्ग के भीतर असंतोष लगातार बना रहा। अब जब चढ़ावे से जुड़ा मामला सुर्खियों में है तो वर्षों से दबा असंतोष भी सतह पर दिखाई देने लगा है। कई संत, महंत और आंदोलन से जुड़े पुराने चेहरे खुलकर सवाल उठा रहे हैं। कुछ का कहना है कि यदि मंदिर की पूरी प्रशासनिक व्यवस्था एक केंद्रीय नेतृत्व के तहत संचालित हो रही थी तो किसी भी गड़बड़ी की जवाबदेही तय होना स्वाभाविक है। यहीं से चंपत राय को लेकर बहस शुरू होती है। उनके समर्थकों का तर्क है कि दशकों के सार्वजनिक जीवन में उन पर व्यक्तिगत भ्रष्टाचार का कोई आरोप साबित नहीं हुआ और उनकी सादगी आज भी वैसी ही है जैसी पहले थी। दूसरी ओर आलोचकों का कहना है कि यदि जांच में प्रशासनिक कमियां सामने आती हैं तो शीर्ष स्तर की जवाबदेही से इंकार नहीं किया जा सकता। सूत्रों के मुताबिक स्ढ्ढ्ञ की रिपोर्ट में विभिन्न स्तरों पर जिम्मेदारियों का आकलन किया गया है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि रिपोर्ट केवल कुछ कर्मचारियों और सेवादारों तक सीमित रहती है या फिर ट्रस्ट के बड़े पदाधिकारियों की भूमिका पर भी कोई टिप्पणी करती है।

राजनीतिक और धार्मिक गलियारों में एक और चर्चा तेजी से चल रही है। माना जा रहा है कि विवाद के बाद राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की कार्यप्रणाली में बड़े बदलाव हो सकते हैं। दान प्रबंधन और प्रशासनिक निगरानी के लिए अधिक प्रोफेशनल सिस्टम लागू करने पर भी विचार किया जा सकता है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या स्ढ्ढ्ञ रिपोर्ट चंपत राय को पूरी तरह राहत देगी या फिर रिपोर्ट के निष्कर्ष उनके भविष्य को प्रभावित करेंगे। भले ही जांच का अंतिम परिणाम अभी सामने नहीं आया है, लेकिन इतना तय है कि इस विवाद ने राम मंदिर ट्रस्ट की कार्यप्रणाली और नेतृत्व दोनों को गंभीर सवालों के घेरे में ला खड़ा किया है। अब अयोध्या से लेकर लखनऊ और दिल्ली तक नजर सिर्फ एक बात पर टिकी है— 140 पन्नों की रिपोर्ट में आखिर लिखा क्या है और कार्रवाई की गाज किन-किन लोगों पर गिरने वाली है क्योकि पाया गया कि मंदिर प्रबंधन की निगरानी व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त थी। जिम्मेदार बेखबर रहे और खेल होता रहा। सूत्रों के मुताबिक एसआईटी ने इसका अपनी रिपोर्ट में प्रमुखता से जिक्र किया है। जो गाइडलाइन थी, उसका पालन ही नहीं किया गया। यह लापरवाही ट्रस्ट के प्रमुख पदाधिकारियों के लिए मुसीबत बन सकती है।

यूं तो क्रस्र और विश्व हिंदू परिषद से जुड़े पूर्णकालिक प्रचारक चंपत राय बेहद सख्त और ईमानदार माने जाते रहे हैं, लेकिन जिद्दी और किसी की न सुनने वाले व्यक्ति की उनकी छवि ने उन्हें राम मंदिर से जुड़े एक अनकंप्रोमाइजिंग शख्स के तौर पर स्थापित कर दिया। राम मंदिर बनने से पहले तक चंपत राय मंदिर निर्माण के लिए समर्पित सबसे बड़े चेहरों में शामिल हो चुके थे।

जिन्होंने अपना पूरा जीवन मंदिर निर्माण के नाम कर दिया, उन्हें काम के प्रति समर्पित और अयोध्या का बड़ा जानकार भी माना गया। चूंकि कई दशकों से अयोध्या ही चंपत राय की कर्मभूमि रही है, ऐसे में अयोध्या के तमाम साधु-संतों, छावनियों, अखाड़ों और संत समाज से उनका अच्छा तालमेल बन गया था। लेकिन जब मंदिर निर्माण की बारी आई, तो चंपत राय ने अयोध्या के ज्यादातर साधु-संतों की बातों को नहीं माना। चाहे ट्रस्ट का गठन हो या मंदिर निर्माण, राम मंदिर आंदोलन से जुड़े कई नेताओं और संतों को राम जन्मभूमि ट्रस्ट और मंदिर निर्माण प्रक्रिया से दूर रखा गया।

राम मंदिर ट्रस्ट के गठन के समय से ही ज्यादातर साधु-संत और मंदिर आंदोलन से जुड़े पुराने लोग इस बात से नाराज थे कि मंदिर आंदोलन में जिन लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिन्होंने लाठियां और गोलियां खाईं, जिन साधु-संतों, मठों और छावनियों ने राम मंदिर आंदोलन में अपनी भूमिका निभाई, उन्हें पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया।

जब राम जन्मभूमि ट्रस्ट का गठन हुआ, तो उसके अध्यक्ष छोटी छावनी के महंत नृत्य गोपाल दास जरूर बनाए गए, लेकिन उनकी भूमिका एक पदेन अध्यक्ष तक ही सीमित कर दी गई। सारी ताकत और अधिकार चंपत राय में निहित थे। अयोध्या के कई मठों के महंत राम जन्मभूमि ट्रस्ट बनने के बाद से ही चंपत राय से नाराज चल रहे थे, लेकिन चूंकि सरकार ने चंपत राय को काफी अधिकार दे रखे थे, इसलिए सभी चुप ही रहते थे।कई मौके ऐसे आए जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की नाराजगी भी दिखाई दी। खासकर धर्मध्वजा आरोहण के वक्त चंपत राय के काम करने के तरीके को लेकर सरकार की नाराजगी सामने आई थी। ट्रस्ट में अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद मौजूद हैं। मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी भी ट्रस्ट में रहे। अयोध्या के डीएम भी इसके ट्रस्टी होते हैं। लेकिन कहा जाता है कि चंपत राय अकेले सब पर भारी थे। इसलिए ट्रस्ट के ज्यादातर सदस्यों ने मंदिर के कामकाज और फैसलों से अपनी दूरी बना ली थी।अब जबकि चढ़ावे में चोरी का मामला तूल पकड़ चुका है और चंपत राय पर सवाल उठने लगे हैं, उन्हें कटघरे में खड़ा किया जाने लगा है, तो वर्षों से नाराज पुराने आंदोलन से जुड़े बड़े चेहरे, संत और महंत भी उनके खिलाफ खुलकर सामने आ गए हैं। चाहे विनय कटियार हों, संतोष दुबे हों या छोटी छावनी के महंत कमल नयन दास, सभी ने चंपत राय के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

विनय कटियार ने तो साफ कह दिया था कि चंपत राय ने अपराध किया है और वह जल्द ही चढ़ावे में हुई चोरी का खुलासा करेंगे। हालांकि बाद में उन्होंने यू-टर्न ले लिया और चुप हो गए।सभी को मालूम है कि चंपत राय अक्खड़, जिद्दी और किसी की न सुनने वाले हो सकते हैं, लेकिन भ्रष्ट नहीं हो सकते। क्योंकि दशकों से राम मंदिर आंदोलन से जुड़े लोगों ने उनका सादगी भरा जीवन देखा है, जो आज भी जारी है। लेकिन चढ़ावे में चोरी का मामला लोगों की आस्था से इस तरह जुड़ गया है कि लोग चंपत राय को क्लीन चिट देने के लिए तैयार नहीं हैं।वजह साफ है कि अब तक ट्रस्ट और पूरा राम मंदिर परिसर उनकी ही देखरेख में चलता रहा है। अगर उनकी जानकारी के बिना भी चढ़ावे में चोरी हुई, तो जिम्मेदारी उनकी तो बनती ही है।

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर इतने गंभीर सवाल खड़े हो चुके हैं कि अगर चंपत राय को क्लीन चिट मिल भी जाती है, तो भी ट्रस्ट में उनका बने रहना अब लगभग असंभव माना जा रहा है।राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री के बेहद करीबी माने जाने वाले नृपेंद्र मिश्र ने भी मंदिर के कामकाज में व्याप्त बड़ी गड़बड़ियों की बात स्वीकार की, लेकिन चंपत राय के जीवन को निष्कलंक करार दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भले ही अपने कार्यक्रम से चंपत राय को दूर रखा, लेकिन उन्होंने भी कहा कि किसी का चरित्र हनन नहीं होना चाहिए। इशारा चंपत राय की ओर ही माना गया। अब ऐसा लगता है कि श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को नए सिरे से पुनर्गठित किया जा सकता है। एक नया प्रोफेशनल सिस्टम लागू किया जा सकता है। और इतने सवाल उठने के बाद चंपत राय, अनिल मिश्रा जैसे लोग ट्रस्ट से दूरी बना सकते हैं।लेकिन नजर इस बात पर जरूर रहेगी कि क्या स्ढ्ढ्ञ इस पूरे चढ़ावा चोरी मामले में इन बड़े चेहरों, जिनमें चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव जैसे नाम शामिल हैं, को कहीं दोषी करार देती है या नहीं।

अशोक भाटिया,
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार,
लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार

आंचलिक

मंडी में किसानों की आवाजाही घटी, 4540 बोरी उपज पहुंची

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● कृषि उपज मंडी में सोमवार को किसानों की आवक अपेक्षाकृत कम रही। रविवार की छुट्टी के बाद मंडी में कुल 4540 बोरी उपज पहुंची, जो सामान्य दिनों की तुलना में कम दर्ज की गई। किसानों द्वारा बोवनी की तैयारियों में व्यस्त रहने को इसकी प्रमुख वजह माना जा रहा है। मंडी में सोयाबीन की 1882 बोरी आवक हुई। सोयाबीन का न्यूनतम भाव 3780 रुपए प्रति क्विंटल और अधिकतम भाव 9116 रुपए प्रति क्विंटल दर्ज किया गया। मंडी में गेहूं की सबसे अधिक 2546 बोरी आवक रही। गेहूं का न्यूनतम भाव 2000 रुपए प्रति क्विंटल और अधिकतम भाव 2858 रुपए प्रति क्विंटल दर्ज किया गया। डॉलर चने की 103 बोरी मंडी में पहुंची। इसका न्यूनतम भाव 3505 रुपए प्रति क्विंटल और अधिकतम भाव 7980 रुपए प्रति क्विंटल दर्ज किया गया।

मानसून सक्रिय होने से किसानों के चेहरे खिले, देर से पहुंची बारिश ने बढ़ाई खेतों की नमी

दैनिक इंदौर संकेत

धार ●जिले में लंबे इंतजार के बाद आखिरकार मानसून सक्रिय हो गया है। आज (सोमवार) दोपहर करीब 12 बजे से रिमझिम और मध्यम गति से बारिश का दौर शुरू हो गया। इस वर्षा से किसानों और आम जनता को बड़ी राहत मिली है। शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में रिमझिम और मध्यम बारिश दर्ज की गई। कई स्थानों पर बादलों की गड़गड़ाहट और बिजली की चमक के साथ वर्षा हुई, जिससे मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया। इस वर्ष मानसून की देरी ने किसानों की चिंता बढ़ा दी थी। जून माह का अधिकांश समय बीत जाने के बावजूद जिले में पर्याप्त वर्षा नहीं हुई थी, जिसके कारण खेतों में बोवनी का कार्य शुरू नहीं हो पाया था। खरीफ सीजन की प्रमुख फसलें जैसे सोयाबीन, मक्का, कपास और उड़द की बुआई बारिश पर निर्भर रहती है। आज हुई बारिश ने किसानों को बड़ी राहत प्रदान की है। लगातार वर्षा से खेतों में नमी बढ़ने लगी है, जिससे कृषि कार्यों के लिए अनुकूल परिस्थितियां बन रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में किसान अब खेतों की तैयारी और बीज व्यवस्था में जुट गए हैं। किसानों का मानना है कि यदि आने वाले दिनों में भी अच्छी बारिश होती रही तो जिले में खरीफ फसलों की बोवनी गति पकड़ लेगी और उत्पादन बेहतर होने की उम्मीद है। बारिश से केवल कृषि क्षेत्र को ही राहत नहीं मिली, बल्कि भीषण गर्मी और उमस से परेशान लोगों को भी सुकून मिला। पिछले कई दिनों से उच्च तापमान और उमस के कारण जनजीवन प्रभावित हो रहा था।

महिला के स्तन से निकाली 1.5 किलो की गांठ, अस्पताल में डॉक्टरों ने की सर्जरी

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ●खंडवा स्थित मेडिकल कॉलेज अस्पताल में डॉक्टरों की टीम ने 45 वर्षीय महिला के स्तन की जटिल सर्जरी कर डेढ़ किलो वजनी गांठ निकाली है। छनेरा निवासी रामबाई लंबे समय से इस गांठ और असहनीय दर्द से जूझ रही थीं। सफल ऑपरेशन के बाद महिला अब पूरी तरह स्वस्थ है और उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। रामबाई अपने पति दिलीप के साथ इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंची थीं। उनके स्तन में लंबे समय से एक बड़ी गांठ थी, जिसका आकार लगातार बढ़ रहा था। गांठ इतनी भारी हो चुकी थी कि महिला को चलने-फिरने में कठिनाई होने लगी थी। लगातार दर्द बने रहने के कारण उनके लिए रोजमर्रा के काम करना भी मुश्किल हो गया था।

अस्पताल में सर्जरी विशेषज्ञ डॉक्टरों ने महिला की ईसीजी और सोनोग्राफी सहित सभी आवश्यक जांच करवाईं। जांच रिपोर्ट में सामने आया कि गांठ काफी बड़ी हो चुकी है और इसे तुरंत ऑपरेशन के जरिए निकालना जरूरी है। सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. मुबारक सैयद ने बताया कि गांठ का आकार और स्थिति देखते हुए यह एक चुनौतीपूर्ण सर्जरी थी।

सर्जरी में निकाली गई 8.5 सेंटीमीटर लंबी गांठ

डॉ. सैयद के नेतृत्व में निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. संजीव दीक्षित, डॉ. एमएल कलमे, डॉ. वीरेंद्र पचोरे, डॉ. सीमा और अन्य मेडिकल स्टाफ ने मिलकर इस जटिल ऑपरेशन को अंजाम दिया। सर्जरी के दौरान महिला के स्तन से करीब डेढ़ किलो वजनी, 8.5 सेंटीमीटर लंबी और 6.5 सेंटीमीटर चौड़ी गांठ निकाली गई। ऑपरेशन के दौरान और उसके बाद महिला को चार यूनिट रक्त भी चढ़ाया गया। मरीज रामबाई ने बताया कि इस गांठ के कारण वह लंबे समय से असहनीय दर्द झेल

रही थीं, लेकिन सफल ऑपरेशन के बाद अब उन्हें पूरी तरह राहत मिल गई है। उनका यह पूरा इलाज आयुष्मान भारत योजना के तहत मुफ्त किया गया है। अस्पताल प्रबंधन द्वारा सभी जरूरी जांच, ऑपरेशन और दवाइयों की सुविधा बिना किसी खर्च के उपलब्ध कराई गई।

डॉक्टरों की सलाह- स्तन की गांठ को न करें नजरअंदाज

जिला अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि सीमित संसाधनों के बावजूद इस जटिल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देना अस्पताल की चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता को दर्शाता है। वहीं, डॉक्टरों ने सलाह दी है कि स्तन में किसी भी प्रकार की गांठ, दर्द या असामान्य बदलाव को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। गंभीर बीमारी से बचने के लिए समय रहते जांच और इलाज करवाना बेहद जरूरी है।

शुल्क वृद्धि के विरोध में बदनावर मंडी बंद रहेगी, एक दिन पहले 16,540 क्विंटल उपज की आवक

दैनिक इंदौर संकेत

बदनावर ●मध्यप्रदेश सरकार की ओर से मंडी शुल्क 1 प्रतिशत से बढ़ाकर 1.5 प्रतिशत किए जाने के निर्णय के विरोध में मंगलवार को बदनावर कृषि उपज मंडी में कारोबार पूरी तरह बंद रहेगा। ग्रेन मर्चेंट एसोसिएशन ने मंडी प्रशासन को लिखित सूचना देकर मंडी बंद रखने की घोषणा की है। व्यापारियों का कहना है कि पहले से ही परिवहन, हम्माली और बारदाने की लागत बढ़ चुकी है। ऐसे में मंडी शुल्क में 50 प्रतिशत की वृद्धि से व्यापार करना और महंगा हो जाएगा। व्यापारियों के अनुसार गुजरात, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ जैसे पड़ोसी राज्यों की तुलना में मध्यप्रदेश में पहले से ही मंडी शुल्क अधिक है। शुल्क बढ़ने से प्रदेश की मंडियां प्रतिस्पर्धा में पिछड़ जाएंगी और कारोबार दूसरे राज्यों की ओर शिफ्ट होने का खतरा बढ़ेगा। इधर, मंडी बंदी से एक दिन पहले सोमवार को बदनावर कृषि उपज मंडी में कुल 16,540 क्विंटल कृषि उपज की आवक दर्ज की गई। सब्जी मंडी में सबसे अधिक 8,344 क्विंटल प्याज की आवक रही। प्याज के भाव 485 से 2,000 रुपए प्रति क्विंटल तथा औसत भाव 800 रुपए रहे। उपज मंडी में सोयाबीन की 3,629 क्विंटल आवक हुई, जिसके भाव 3,900 से 8,025 रुपए प्रति क्विंटल रहे तथा औसत भाव 6,950 रुपए दर्ज किया गया। गेहूं की 3,165 क्विंटल आवक पर 2,050 से 2,800 रुपए प्रति क्विंटल भाव मिले, जिसका औसत भाव 2,500 रुपए रहा। लहसुन की 1,322 क्विंटल आवक रही, जिसका अधिकतम भाव 15,192 रुपए प्रति क्विंटल तक पहुंचा। लहसुन का मॉडल भाव 7,000 रुपए और न्यूनतम भाव 3,000 रुपए प्रति क्विंटल रहे। इसके अलावा डॉलर चना 3,400 से 7,200 रुपए, देसी चना 4,700 से 5,180 रुपए तथा बटला 2,705 से 2,980 रुपए प्रति क्विंटल बिका। मक्का, उड़द, हरा मटर और कपास की आवक नहीं हुई। मंडी शुल्क वृद्धि को लेकर प्रदेशभर में व्यापारियों के विरोध के बीच मंगलवार को मंडी बंद रहने से किसानों और व्यापारियों की नजरें सरकार के अगले कदम पर टिकी हैं।

हवा-आंधी से मुड़ा रेल लाइन का बिजली पोल, खंडवा में रोकी गई ट्रेनें

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● खंडवा में सोमवार को चली तेज हवा और आंधी के कारण रेलवे ट्रैक पर बिजली का पोल क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रेनों को बिजली सप्लाई करने वाले ओएचई पोल के क्षतिग्रस्त होने से कई ट्रेनों को प्लेटफार्म और अन्य स्टेशनों पर डिटेन किया गया। ज्यादा देर ढ़ाई घंटे तक पठानकोट एक्सप्रेस खंडवा स्टेशन पर खड़ी रही। 3 घंटे तक चले मेंटेनेंस के लिए मेगा ब्लॉक लिया गया था।

घटना खंडवा से मुंबई की ओर जाने वाले रूट पर खंडवा स्टेशन से महज एक किलोमीटर दूर आबना नदी के पास की हैं। जहां एक ओएचई पोल हवा-आंधी के चलते मुड़ गया। पोल के क्षतिग्रस्त होने की सूचना मिलने पर रेलवे का इलेक्ट्रिसिटी और मेंटेनेंस विभाग अलर्ट हो गया। कंट्रोल रूम से तत्काल आसपास के स्टेशनों को जानकारी दी गई। इटारसी से भुसावल जाने वाली ट्रेनों को छनेरा, तलवड़िया, मथेला और खंडवा स्टेशन पर रोका गया।

लंबे समय तक रेलवे ट्रैक पर ट्रैफिक बाधित रहा। इस दौरान पठानकोट एक्सप्रेस को खंडवा स्टेशन पर ढ़ाई घंटे तक डिटेन रखा गया। वहीं, एलटीटी गोरखपुर एक्सप्रेस भी 40 मिनट तक खंडवा स्टेशन पर डिटेन रही। पिछले स्टेशन मथेला, तलवड़िया में भी ट्रेनों को रोककर रखा गया था। खंडवा रेलवे स्टेशन के मास्टर जीएल मीणा के मुताबिक, शाम 5 बजे आंधी-तूफान के चलते हालात बने थे। एहतियातन के तौर पर तीन घंटे तक मेंटेनेंस कार्य चला। जिसके बाद ट्रैफिक पूरी क्लियर कर लिया गया।

किशोर कुमार को भारत रत्न देने के लिए सांसद ने लिखा पत्र

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● किशोर कुमार को मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग फिर तेज हुई है। सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को पत्र लिखकर यह सम्मान देने का आग्रह किया। पत्र में कहा गया कि किशोर कुमार ने पार्श्वगायन के साथ अभिनेता, संगीतकार, निर्माता, निर्देशक और लेखक के रूप में भी भारतीय सिनेमा और संगीत में अहम योगदान दिया। किशोर सांस्कृतिक प्रेरणा मंच के प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि देश के कई हिस्सों में इस मांग के समर्थन में अभियान चल रहा है।

अफ्रीका से मिली हार ने बिगाड़ा समीकरण, 28 को आस्ट्रेलिया के खिलाफ असली परीक्षा

नई दिल्ली (एजेंसी) ● महिला टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की शुरुआत किसी सपने जैसी हुई थी। पहले पाकिस्तान और फिर नीदरलैंड्स को हराकर हरमनप्रीत कौर की टीम ने सेमीफाइनल की तरफ मजबूत कदम बढ़ा दिए थे, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली छह विकेट की हार ने पूरे समीकरण को उलट-पुलट कर दिया है। अब हालात ऐसे हैं कि ग्रुप-ए में भारत, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में से कोई भी टीम बाहर हो सकती है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में हार सिर्फ दो अंक गंवाने की कहानी नहीं थी, बल्कि इसने भारत की सेमीफाइनल की राह को मुश्किल बना दिया है। अब टीम इंडिया के लिए हर रन और हर विकेट की कीमत बढ़ गई है, क्योंकि टूर्नामेंट का फैसला नेट रन रेट तक पहुंच सकता है। भारत ने तीन मैचों में दो जीत के साथ चार अंक जुटाए हैं और उसका नेट रन रेट +2.511 है, जो फिलहाल काफी मजबूत स्थिति में है। टीम को अभी बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया से भिडऩा है।

बांग्लादेश के खिलाफ भारत को फेवरेट माना जा रहा है। अगर टीम इंडिया यह मैच जीत लेती है, तो उसके छह अंक हो जाएंगे, लेकिन असली परीक्षा 28 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगी। अगर भारत ऑस्ट्रेलिया को हरा देता है, तो सेमीफाइनल का टिकट लगभग पक्का हो जाएगा, लेकिन अगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार मिलती है और दक्षिण अफ्रीका भी अपने बाकी दोनों मुकाबले जीत जाता है, तो भारत के लिए खतरे की घंटी बज सकती है। ऐसे में तीनों बड़ी टीमें आठ-आठ अंकों पर पहुंच सकती हैं और फैसला नेट रन रेट करेगा। दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद भारत के लिए समीकरण काफी साफ है। अगले दोनों मैच जीत लो और किसी गणित की जरूरत नहीं पड़ेगी। खासकर बांग्लादेश के खिलाफ बड़ी जीत भारत के नेट रन रेट को और मजबूत कर सकती है, जो आगे चलकर जीवनदान साबित हो सकता है।

हरमनप्रीत कौर की टीम के लिए अब सिर्फ जीत ही नहीं, बल्कि बड़े अंतर से जीत भी महत्वपूर्ण हो गई है।

ऑस्ट्रेलिया सबसे मजबूत

ग्रुप-ए में सबसे आरामदायक स्थिति ऑस्ट्रेलिया है। टीम लगातार तीन जीत के साथ छह अंक जुटा चुकी है और उसका नेट रन रेट +4.391 है। यही वजह है कि कंगारू टीम फिलहाल सेमीफाइनल की सबसे बड़ी दावेदार नजर आ रही है। हालांकि अगर ऑस्ट्रेलिया अपने आखिरी दो मैचों में लडख़ड़ा जाती है, तो समीकरण पूरी तरह बदल सकते हैं। ऐसे में 28 जून को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाला मुकाबला ग्रुप-ए का वर्चुअल क्वार्टर फाइनल बन सकता है।

जैकलीन के नए प्रोजेक्ट को लेकर फैंस में बढ़ी उत्सुकता

मुंबई (एजेंसी) ● जल्द ही अपने करियर की पहली पूर्ण हॉरर फिल्म के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज दर्शकों के सामने आने वाली हैं। अभिनेत्री इस प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित बताई जा रही हैं। फिल्म से जुड़ी शुरुआती जानकारियों ने ही दर्शकों और फिल्म प्रेमियों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। सूत्रों के अनुसार, यह केवल डर और रोमांच तक सीमित नहीं होगी, बल्कि इसमें भावनात्मक पहलुओं और संगीत का भी महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। निर्माताओं का उद्देश्य एक ऐसा सिनेमाई अनुभव प्रस्तुत करना है, जिसमें हॉरर के साथ कहानी और भावनाओं का भी गहरा प्रभाव देखने को मिले। बताया जा रहा है कि जैकलीन इस फिल्म में केंद्रीय भूमिका निभाएंगी, जबकि दो प्रमुख पुरुष कलाकारों का चयन भी किया जा चुका है। हालांकि फिल्म के शीर्षक, निर्देशक और अन्य कलाकारों के नामों को फिलहाल गोपनीय रखा गया है।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना का निर्माण ख्याति मदान के बैनर 'नॉट आउट एंटरटेनमेंट' के तहत बड़े पैमाने पर किया जाएगा। फिल्म की आधिकारिक घोषणा जल्द किए जाने की संभावना है। उद्योग से जुड़े सूत्रों का कहना है कि फिल्म की तैयारियां तेजी से चल रही हैं और कलाकार इन दिनों विशेष वर्कशॉप्स में हिस्सा ले रहे हैं, ताकि अपने किरदारों को बेहतर ढंग से समझ सकें और कहानी की मांग के अनुरूप प्रदर्शन कर सकें। जानकारी के मुताबिक, फिल्म का एक टीज़र और एक गीत पहले ही शूट किया जा चुका है। इससे संकेत मिलता है कि निर्माता जल्द ही दर्शकों के सामने फिल्म की पहली झलक पेश कर सकते हैं। वहीं, मुख्य शूटिंग इसी महीने के अंत तक शुरू होने की संभावना जताई जा रही है। फिल्म की टीम इसे एक बड़े और अलग तरह के हॉरर अनुभव के रूप में विकसित करने में जुटी हुई है। दिलचस्प बात यह है कि जैकलीन इससे पहले फिल्म 'भूत पुलिस' में दिखाई दे चुकी हैं, लेकिन वह एक हॉरर-कॉमेडी थी, जिसमें डर और हास्य का मिश्रण था। इसके विपरीत यह नया प्रोजेक्ट पूरी तरह हॉरर शैली पर आधारित होगा। ऐसे में यह फिल्म अभिनेत्री के करियर में एक नए अध्याय की शुरुआत मानी जा रही है और दर्शकों को उनका बिल्कुल अलग रूप देखने को मिल सकता है।

मनिका ने एशियाई खेलों के लिए टीम चयन की प्रकिया पर उठाये सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी) ● भारत की शीर्ष टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा 2026 एशियाई खेलों के लिए टीम में जगह नहीं मिलने के बाद से ही निराशा हैं। मनिका ने चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए कहा है कि इसमें अधिक पारदर्शिता होनी चाहिये है।आइची-नागोया एशियाई खेलों के लिए 10 सदस्यों की भारतीय टीम में मनिका जगह की प्रबल दावेदार थी पर जिस प्रकार से उन्हें बाहर रखा गया है उससे प्रशंसक भी हैरान हैं। मनिका को केवल रिजर्व खिलाड़ियों की सूची में जगह मिली है। इस ओलंपियन ने सोशल मीडिया पर नाराजगी जताते हुए कहा कि एशियाई खेल

2026 की टीम में चयन नहीं होने से वह हैरान है। इसके लिए उन्हें कोई तर्कसंगत कारण भी नहीं बताया गया है। उन्होंने चयन मापदंडों में विसंगति की ओर संकेत करते हुए कहा, प्रदर्शन में निरंतरता को लेकर सवाल उठते हैं, क्योंकि मेरे मामले में पिछले चयन चक्र के मुकाबले अलग-अलग पैमाने और बातों को ध्यान में रखा गया है। अगर वही नियम लागू होने थे जो पिछले एशियाई खेलों के चयन में लागू हुए थे, तो स्थिति अलग होती। उन्होंने खेल मंत्री और भारतीय ओलंपिक संघ से अनुरोध किया कि वे इस मामले का संज्ञान लें और चयन के नियमों को पारदर्शी व निष्पक्ष तरीके से लागू करना सुनिश्चित करें।

भाभी के बनाए भोजन का भरपूर आनंद ले रही हीना खान

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री हिना खान ने सोशल मीडिया अकाउंट पर कुछ खास 'फूडी मोमेंट्स' साझा किए, जिनमें उनकी भाभी नीलम द्वारा तैयार किए गए स्वादिष्ट व्यंजन नजर आए। अभिनेत्री ने एक बार फिर अपने प्रशंसकों को अपने निजी जीवन की झलक दिखाई है। अभिनेत्री हिना ने इन तस्वीरों के जरिए न केवल खाने के प्रति अपने प्रेम को जाहिर किया, बल्कि अपनी भाभी के प्रति स्नेह और आभार भी व्यक्त किया। अभिनेत्री द्वारा साझा की गई तस्वीरों में सबसे अधिक ध्यान घर पर तैयार किए गए चिकन बर्गर ने आकर्षित किया। खास बात यह थी कि इस बर्गर का बन और मेयोनेज भी घर पर ही तैयार किया गया था। तस्वीर साझा करते हुए हिना ने अपनी भाभी की सराहना करते हुए लिखा कि यह स्वादिष्ट भोजन उनके लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। उनकी पोस्ट से साफ झलक रहा था कि वह घर के बने खाने का भरपूर आनंद ले रही हैं। इसके अलावा हिना ने एक और तस्वीर साझा की, जिसमें पारंपरिक सिंधी व्यंजन 'दाल पकवान' दिखाई दिया। यह लोकप्रिय स्नैक भी उनकी भाभी ने ही बनाया था। स्वाद और पारंपरिक व्यंजनों के प्रति अपने लगाव को दर्शाते हुए हिना ने इस खास पकवान की भी जमकर तारीफ की। उनके प्रशंसकों ने इन तस्वीरों पर प्रतिक्रिया देते हुए घर के बने भोजन की अहमियत और पारिवारिक रिश्तों की गर्मजोशी की सराहना की। यह पहली बार नहीं है जब हिना खान ने अपनी भाभी के प्रति अपना स्नेह सार्वजनिक रूप से व्यक्त किया हो।

उज्जैन संभाग

काल भैरव मंदिर के सामने चार दुकानें जली, पूजन सामग्री की थी दुकानें

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●काल भैरव मंदिर के सामने मंगलवार तड़के भीषण आग लगने से पूजन सामग्री की चार दुकानें जलकर खाक हो गईं। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग से लाखों रुपए के नुकसान की आशंका है।जानकारी के अनुसार आज सुबह करीब 5 बजे मंदिर के सामने स्थित एक दुकान में आग लगी, जो देखते ही देखते आसपास की अन्य दुकानों तक फैल गई। दुकानों में पूजन सामग्री रखी होने के कारण आग तेजी से भड़क गई।

आसपास के लोगों ने शुरुआती स्तर पर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन आग इतनी तेज थी कि एक के बाद एक चार दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची।

पांच दमकलों ने पाया काबू

दमकलकर्मियों ने करीब एक घंटे तक लगातार प्रयास कर आग पर काबू पाया। आग की लपटें पास के एक पेड़ तक पहुंच गई थीं, जिसे भी समय रहते बचा लिया गया। काल भैरव मंदिर में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। राहत की बात यह रही कि आग तड़के उस समय लगी, जब श्रद्धालुओं की भीड़ शुरू नहीं हुई थी। यदि आग दर्शन के समय लगती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

कारणों की जांच जारी

दमकलकर्मी अंकित राजपूत ने बताया कि आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच की जा रही है।आग में पूजन सामग्री, दुकान का सामान और अन्य सामग्री जलकर नष्ट हो गई। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार दुकानदारों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। प्रशासन नुकसान का आकलन कर रहा है।

तीन बेटियां चीन में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगीं, एशियन जंप रोप चैंपियनशिप में चयनित

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● देवास की तीन बेटियां एशियन जंप रोप चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। ये खिलाड़ी 30 जुलाई से 5 अगस्त तक चीन के शांगयू में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। इन खिलाड़ियों में आस्था परमार, श्रुतिका जैसोना और तनिष्का राव शामिल हैं। इन तीनों खिलाड़ियों की सफलता के पीछे वर्षों की कड़ी मेहनत और संघर्ष है। आस्था परमार के पिता दूध डेयरी पर काम करते हैं, जबकि श्रुतिका जैसोना के पिता एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं। साधारण पृष्ठभूमि से आने वाली इन बेटियों ने अपने खेल कौशल और अनुशासन के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर तक का सफर तय किया है। टीम के कोच सुशील राव सोनोने ने बताया कि तीनों खिलाड़ी पिछले 8 से 10 वर्षों से जंप रोप खेल से जुड़ी हुई हैं। वे प्रतिदिन 6 से 7 घंटे तक कठिन अभ्यास करती हैं। सुबह 4:30 बजे से 7:00 बजे तक माता टेकरी पर प्रशिक्षण लेने के बाद, शाम 5:00 बजे से रात 9:00 बजे तक विद्यालय क्रमांक-2 में नियमित अभ्यास करती हैं। कोच सुशील राव के अनुसार, राष्ट्रीय स्तर पर लगातार शानदार प्रदर्शन और कई पदक जीतने के कारण ही इन खिलाड़ियों का चयन एशियन जंप रोप चैंपियनशिप के लिए हुआ है। तनिष्का राव अब तक लगभग 8 राष्ट्रीय पदक जीत चुकी हैं, आस्था परमार ने करीब 5 राष्ट्रीय पदक अपने नाम किए हैं, वहीं श्रुतिका जैसोना भी राष्ट्रीय स्तर पर 9 पदक जीतकर अपनी प्रतिभा साबित कर चुकी हैं। प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने इन तीनों खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं। कोच और अन्य शुभचिंतकों ने भी खिलाड़ियों को देश के लिए पदक जीतकर लौटने और भारत का नाम रोशन करने की कामना की है।

दर्शन नियमों में बदलाव, भस्मआरती; एक मोबाइल नंबर से 90 दिन में एक बार ही दर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● श्री महाकालेश्वर मंदिर की भस्मआरती के लिए बुकिंग नियमों में बदलाव किया गया है। अब एक मोबाइल नंबर से 90 दिन (3 माह) में केवल एक बार ही भस्मआरती में शामिल होने पंजीयन हो सकेगा।

मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने बताया कि यह व्यवस्था प्रोटोकॉल कोटे से आने वाले श्रद्धालुओं पर भी लागू होगी।

यहां बता दें कि 90 दिन में केवल एक बार भस्मआरती की अनुमति का नियम 2024 में तत्कालीन कलेक्टर नीरज सिंह ने लागू किया था। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद उन्होंने मंदिर समिति सदस्यों से चर्चा कर तय किया था कि एक आधार कार्ड और एक मोबाइल नंबर से तीन माह में एक बार अनुमति दी जा सकेगी।

एक घंटे की बारिश में शहर में जलभराव, ट्रैफिक जाम

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● सोमवार दोपहर करीब एक घंटे तक हुई तेज बारिश से शहर के कई हिस्सों में जलभराव की स्थिति बन गई। बारिश से लोगों को उमस और गर्मी से राहत मिली, लेकिन कई क्षेत्रों में पानी भर जाने से आवागमन प्रभावित रहा। तेज बारिश के कारण सड़कों पर पानी जमा हो गया। मक्सी रोड पर नालों से पानी की निकासी नहीं होने के कारण सड़क पर जलभराव की स्थिति देखी गई।

एमजी रोड पर सबसे ज्यादा परेशानी

सबसे अधिक दिक्कत एमजी रोड क्षेत्र में हुई। यहां चल रहे निर्माण कार्य के कारण कई स्थानों पर पानी भर गया, जिससे राहगीरों, दुकानदारों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। दोपहिया और चारपहिया

वाहन चालकों को पानी से भरी सड़कों से होकर गुजरना पड़ा। कई वाहन पानी में फंस गए, जिससे यातायात प्रभावित रहा। बारिश थमने के बाद मौसम सुहावना हो गया। लोगों ने गर्मी और उमस से राहत महसूस की।

विशेषज्ञ बोले - 6 लेन ब्रिज बने तो शास्त्री ब्रिज ही बन सकता है वैकल्पिक मार्ग

चार लेन के नए शास्त्री ब्रिज से शहर की यातायात समस्या नहीं होगी हल

सियागंज के व्यापारी बोले- पटेल ब्रिज जर्जर, उखड़ रहा प्लास्टर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर के लगभग 72 साल पुराने लालबहादुर शास्त्री ब्रिज को तोड़कर नया ब्रिज बनाने की तैयारी की जा रही है। यह ब्रिज इंदौर की प्रगति और विकास का गवाह है, जिसने पुराने इंदौर को आगे बढ़ते हुए देखा है।

बीते दिनों रेलवे द्वारा नया ब्रिज 139 करोड़ की लागत से बनाने की स्वीकृति मिलने के बाद ब्रिज बंद करने की चर्चा तेज हो गई, लेकिन सवाल है कि यदि शास्त्री ब्रिज पर यातायात बंद होता है, तो क्या सियागंज का सरदार वल्लभभाई पटेल या फिर मालवा मिल का राजकुमार ब्रिज यातायात का विकल्प हो सकता है या नहीं? इसका निर्णय आगामी समय में सभी के सुझावों पर निर्भर करेगा, लेकिन ब्रिज और इंजीनियरिंग के एक्सपर्ट दोनों ही ब्रिजों को शास्त्री ब्रिज का विकल्प मानने से इंकार करते हैं. क्योंकि यातायात सुगमता और मजबूती दोनों ही लिहाज से पटेल ब्रिज और राजकुमार ब्रिज ट्रैफिक दबाव सहन नहीं कर पाएंगे।

इसलिए पटेल और राजकुमार ब्रिज विकल्प नहीं

मामले में ट्रैफिक एक्सपर्ट और स्ट्रनरल इंजीनियर अतुल सेठ ने बताया कि शास्त्री ब्रिज का यातायात विकल्प शास्त्री ब्रिज ही हो सकता है। इसके अलावा पटेल और राजकुमार ब्रिज दोनों पर यह ट्रैफिक डायवर्ट नहीं किया जा सकता। जिसका कारण दोनों ब्रिज की भौगोलिक स्थिति है। पटेल ब्रिज का एक छोर छोटी ग्वालटोली वाला संकरा एवं व्यस्त क्षेत्र है। यहां सरवटे बस स्टैंड की बसों का ट्रैफिक दबाव होता है, वहीं दूसरा छोर जवाहर मार्ग का है, यह पूरी तरह से व्यापारिक क्षेत्र है, जहां पहले ही भारी ट्रैफिक दबाव होता है। राजकुमार ब्रिज की दो भुजाएं 2 लेन और एक भुजा 4 लेन है, जबकि पटेल ब्रिज 4 लेन ब्रिज है।

प्लानिग में परिवर्तन करें तो निराकरण- स्ट्रक्चरल इंजीनियर सेठ ने नए बनने वाले शास्त्री ब्रिज की प्लानिग को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा ब्रिज को 6 लेन बनाया जाता है, तो यातायात शास्त्री ब्रिज पर ही डायवर्ट किया जा सकता है। इसके लिए ब्रिज की 2-2 लेन बनानी पड़ेंगी और ब्रिज का निर्माण तीन हिस्सों में किया जाए।

ऊंचाई बढ़ाने के लिए अन्य विकल्प-स्ट्रक्चरल इंजीनियर सेठ का कहना है कि रेलवे अगर ब्रिज की ऊंचाई बढ़ाने के लिए केवल नया ब्रिज बना रहा है तो ऊंचाई बढ़ाने के अन्य विकल्प हैं। उदाहरण के तौर पर ब्रिज के बोगदों की आर्च वाली डिजाइन को खत्म कर स्वायर वाली डिजाइन में बदला जाए।

पटेल ब्रिज जर्जर, व्यापारियों में दहशत-सियागंज किराना व्यापारी सुधीर खंडेलवाल बताते हैं कि ब्रिज का कोई रख-रखाव नहीं है, प्लास्टर निकल चुका है, लोहे के सरिए बाहर दिखाई दे रहे हैं, एक-दो बार प्लास्टर गिर चुका है। यह ब्रिज यातायात का बोझ नहीं सह पाएगा। अगर शास्त्री ब्रिज का यातायात यहां डायवर्ट होगा तो कोई भी घटना हो सकती है। वेयरहाउस रोड पर तेल व्यापारी बताते हैं कि ब्रिज 37 साल पुराना हो चुका है। लोक निर्माण विभाग के अधिकारी ब्रिज के रख-रखाव में लापरवाही कर रहे हैं।

स्कीम-140 के लग्जरी प्रोजेक्ट पर अवैध खनन का मामला कोर्ट पहुंचा

नाटी फूड्स समूह की रियल एस्टेट कंपनी पर निकली दो करोड़ से अधिक की पेनल्टी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर की कन्फेक्शनरी कंपनी नाटी फूड्स के संजय अग्रवाल की रियल एस्टेट कंपनी प्रकृति रियलटर्स प्रा.लि. के स्कीम-140 स्थित लग्जरी प्रोजेक्ट पर अवैध खनन के आरोप लगे हैं। खनिज विभाग की जांच के बाद कंपनी और उससे जुड़े जिम्मेदारों के खिलाफ करीब 2.03 करोड़ की पेनल्टी का मामला दर्ज किया है।

मामले में कंपनी के डायरेक्टर संजय अग्रवाल, उनकी पत्नी रानी, भाई विनोद के अलावा निर्माण एजेंसी खुटानिया कंस्ट्रक्शन के संचालक दिनेश कुमावत तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों को पक्षकार बनाया है। जानकारी के अनुसार अधिवक्ता ज्ञानेंद्र पटेल ने 12 जून 2025 को ग्राम पीपल्याहाना स्थित स्कीम-140 के एक सर्वे नंबर पर अवैध खनन की शिकायत की थी। इसके बाद सहायक खनिज अधिकारी आलोक अग्रवाल ने 24 नवंबर को स्थल निरीक्षण किया।

13 हजार घनमीटर से अधिक खुदाई का दावा

जांच के दौरान प्रकृति रियलटर्स के प्रतिनिधियों ने खनन की जिम्मेदारी निर्माण कंपनी पर डाल दी, जबकि निर्माण कंपनी ने इसे बिल्डर की जिम्मेदारी बताया। हालांकि जांच में किसी भी पक्ष के पास वैध खनन अनुमति या जरूरी स्वीकृतियां नहीं पाई गईं। खनिज विभाग की रिपोर्ट के अनुसार बेसमेंट निर्माण के लिए स्वीकृत सीमा से कहीं अधिक खुदाई की गई। सूत्रों के मुताबिक जांच में लगभग 13 हजार 532 घनमीटर मिट्टी और मुरम के अवैध उत्खनन का आकलन किया गया। इस पर देय रॉयल्टी लगभग 6.73 लाख रुपए बनती है।

बड़ी मात्रा में मुरम और मिट्टी का खनन किया-दस्तावेजों की जांच और संबंधित पक्षों के बयान लेने के बाद रिपोर्ट तैयार की गई। जांच में पाया गया कि निर्माण स्थल से बड़ी मात्रा में मुरम और मिट्टी का खनन किया गया, जिसे बिना अनुमति और बिना रॉयल्टी चुकाए बाहर ले जाया गया। मौके पर निकाली गई सामग्री भी उपलब्ध नहीं मिली।

विभागीय कार्यप्रणाली पर भी सवाल- इस मामले में खनिज विभाग की कार्यशैली भी सवालों के घेरे में है। शिकायत जून 2025 में मिलने के बावजूद मौके पर निरीक्षण नवंबर में किया गया। निरीक्षण रिपोर्ट जनवरी 2026 में तैयार हुई और उसके बाद मामला न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। इसके संबंध में जानकारी के लिए संजय अग्रवाल को कॉल व मैसेज किए गए, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

अनिका शर्मा को 9 करोड़ के इंजेक्शन के लिए पलटे नेता, अब फोन भी नहीं उठाते

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर की साढ़े तीन साल की बच्ची अनिका शर्मा एक रेयर बीमारी से जूझ रही है। उसे बचाने के लिए करीब 9 करोड़ रुपये के इंजेक्शन की जरूरत है। शहर के कई दानदाताओं और नेताओं ने मदद के लिए घोषणाएं की थीं और चेक भी दिए थे। लेकिन अब मामला अटक गया है।

इंदौर की करीब साढ़े तीन साल की बच्ची अनिका शर्मा को एसएम टाइप-2 (स्पाइनल मस्कुलर एट्रॉफी) नाम की एक रेयर बीमारी है। इसके इलाज के लिए करीब 9 करोड़ रुपए के इंजेक्शन Zolgensma की जरूरत पड़ती है। पिछले करीब 8 महीनों से बच्ची के माता-पिता, सरिता और प्रवीण शर्मा, इलाज के लिए लोगों से मदद जुटा रहे हैं। अब तक करीब 7 करोड़ 65 लाख रुपए इकट्ठे हो चुके हैं। मामला

अब इंदौर हाईकोर्ट तक पहुंच गया है, जहां आगे की सुनवाई चल रही है।

अब फोन भी नहीं उठाते नेताजी-अगर इंदौर के कुछ नेताओं ने अपने वादे पूरे कर दिए होते, तो यह राशि पहले ही पूरी हो जाती। दरअसल, कई नेताओं ने मदद देने की घोषणा की थी और बड़े-बड़े वादे भी किए थे, लेकिन बाद में उनमें से कई पीछे हट गए।

कुछ नेताओं का तो यह हाल रहा कि दिया गया चेक भी बाउंस हो गया। कुछ ने बाद में पैसे देने की बात कहकर टाल दिया। वहीं, अब स्थिति यह है कि कई नेता बच्ची के माता-पिता के फोन तक उठाना बंद कर चुके हैं।

हाईकोर्ट ने पूछा था कि क्या यह लाड़ली नहीं

हाईकोर्ट में माता-पिता की याचिका पर 5 मई को जस्टिस प्रणय वर्मा ने आदेश दिया था। इसमें कहा था कि केंद्र, राज्य, एम्स आपस में बात करके देखें कि किस तरह से बच्ची की अधिक से अधिक मदद हो सकती है। मानवीय आधार पर इसमें मदद के लिए हाईकोर्ट ने सभी पक्षकारों से कहा था। फिर 16 जून को जस्टिस सुबोध अभ्यंकर की बेंच में सुनवाई हुई। इसमें शासन पक्ष ने बताया कि केंद्र की रेयर डिसीज योजना के तहत राशि दे रहे हैं लेकिन इसमें अधिकतम 50 लाख ही दे सकते हैं।

भोपाल-इंदौर कमिश्नरेट में डीसीपी के छह अहम पद खाली

इंटेलिजेंस, ट्रैफिक और जोन जैसे संवेदनशील विभागों में नियमित नेतृत्व का अभाव

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● प्रदेश के दो अहम पुलिस कमिश्नरेट-भोपाल और इंदौर-इन दिनों वरिष्ठ अधिकारियों की कमी से जूझ रहे हैं। दोनों शहरों में डीसीपी स्तर के तीन-तीन पद कई महीनों से खाली पड़े हैं। इनमें इंटेलिजेंस, ट्रैफिक, जोन और मुख्यालय जैसे विभाग शामिल हैं, जिनकी भूमिका कानून-व्यवस्था से लेकर वीआईपी सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन और अपराध नियंत्रण तक अहम मानी जाती है। इन पदों का संचालन अतिरिक्त प्रभार के जरिए किया जा रहा है। वहीं इस संबंध में पक्ष जानने के लिए डीजीपी से संपर्क नही हो सका।

वरिष्ठ स्तर पर अतिरिक्त प्रभार-स्पेशल डीजीपी (रेल) रवि कुमार गुप्ता के पास विशेष पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) और मप्र पुलिस अकादमी, भोंरी के निदेशक का अतिरिक्त दायित्व भी है। एडीजीपी मोहम्मद शाहिद अबसार चयन एवं भर्ती के साथ पीटीआरआई का अतिरिक्त काम भी देख रहे हैं।

जिलों में भी अतिरिक्त प्रभार-कई जिलों के एसपी अपने जिले की जिम्मेदारी के साथ विशेष सशस्त्र बल की वाहिनियों के सेनानी का अतिरिक्त दायित्व भी हैं। इनमें आईपीएस आदित्य मिश्रा, सूरज कुमार वर्मा, अनुराग सुजानिया, राजेश रघुवंशी, मयूर खण्डेलवाल शामिल हैं।

भोपाल में तीन अहम जिम्मेदारियां बिना नियमित डीसीपी के

- डीसीपी जोन : 1 का पद आईपीएस आशुतोष गुप्ता के रायसेन एसपी बनने के बाद से खाली है।
- डीसीपी इंटेलिजेंस का पद सोनाक्षी सक्सेना के सीहोर एसपी बनने के बाद खाली हुआ है।
- डीसीपी ट्रैफिक का पद जितेंद्र पवार के सेवानिवृत्त होने के बाद से अब तक नहीं भरा गया।

इंदौर पुलिस कमिश्नरेट में भी तीन डीसीपी पदों पर इंतजार

- डीसीपी इंटेलिजेंस राजेश व्यास के नीमच एसपी बनने के बाद यह पद खाली हुआ।
- प्रकाश चंद परिहार के पांढुर्ना एसपी बनने के बाद डीसीपी मुख्यालय का पद रिक्त है।
- डीसीपी ट्रैफिक अरविंद तिवारी के तबादले के बाद इस पद पर भी नियमित नियुक्ति नहीं की गई।

यह पड़ सकता है असर-कमिश्नरेट व्यवस्था में डीसीपी स्तर के अधिकारी केवल प्रशासनिक पदाधिकारी नहीं होते, बल्कि कानून-व्यवस्था के संचालन की पूरी कमान उनके हाथ में रहती है। ऐसे में लंबे समय तक पद रिक्त रहने से कई स्तरों पर प्रभाव पड़ सकता है।

संभावित चुनौतियां-इंटेलिजेंस नेटवर्क : संवेदनशील सूचनाओं के विश्लेषण, सांप्रदायिक गतिविधियों, वीआईपी कार्यक्रमों और कानून-व्यवस्था से जुड़ी निगरानी में निर्णय प्रक्रिया धीमी हो सकती है।

निर्णय लेने में देरी: एक अधिकारी के पास कई जिम्मेदारियां होने से फाइलों के निस्तारण और फैसलों में विलंब की आशंका रहती है।

आरटीओ में 15 दिन से सर्वर का संकट, अफसर भी बेबस, रोजाना सैकड़ों लोग हो रहे परेशान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कार्यालय क्षेत्रीय परिवहन (आरटीओ) में पिछले करीब 15 दिनों से सर्वर और ऑनलाइन सिस्टम की समस्या बनी हुई है, जिससे वाहन मालिकों, ड्राइविंग लाइसेंस आवेदकों, वाहन डीलरों और एजेंटों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई ऑनलाइन सेवाएं प्रभावित होने के कारण कार्यालय में रोजाना लोगों की भीड़ लग रही है, लेकिन अधिकांश काम समय पर नहीं हो पा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार वाहन पंजीयन, परमिट, टैक्स जमा करने, फिटनेस, स्वामित्व हस्तांतरण और अन्य सेवाओं के लिए लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। कई बार

दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी सर्वर डाउन होने से काम बीच में ही अटक जाता है। इससे नागरिकों को बार-बार आरटीओ कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि समस्या राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) के सर्वर से जुड़ी है और इसका समाधान स्थानीय स्तर पर संभव नहीं है। कई बार शिकायत और पत्राचार किए जाने के बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हो पाया है। इसके चलते आरटीओ कर्मचारी और अधिकारी भी असहाय नजर आ रहे हैं। वाहन डीलरों का कहना है कि नए वाहनों के पंजीयन में देरी हो रही है, जिससे ग्राहकों में नाराजगी बढ़ रही है।

4 लाख 39 हजार की अवैध मदिरा व 4 पहिया वाहन जप्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कलेक्टर शिवम वर्मा के आदेश एवं सहायक आयुक्त आबकारी अभिषेक तिवारी के निर्देशानुसार तथा कंट्रोलर देवेश चतुर्वेदी एवं डिप्टी कंट्रोलर मनोज अग्रवाल के नेतृत्व में वृत्त महू ब प्रभारी सहायक जिला आबकारी अधिकारी पवन टीकेकर एवं टीम के द्वारा अवैध शराब जप्ती की कार्यवाही की गई।

विश्वासनीय मुखबीर की सूचना के आधार पर गत दिवस भेंसलाय पीथमपुर मार्ग के ग्राम भैंसलाय के पास वाहन क्रमांक एमपी 09-सीजे-9152 सफेद रंग मारूती सुजुकी डिजार कार को रोकने की कोशिश करने पर ड्राईवर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। उक्त गाड़ी की तलाशी लेने पर गत्ते के कुल 12 कार्टून्स में देशी प्लेन मदिरा पायी गई।

लोकायुक्त की गजब जांच, आय से अधिक कमाई में वन एसडीओ सक्सेना पर छापा, अब क्लीन चिट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर लोकायुक्त ने अब और हाईप्रोफाइल मामले में आरोपी को क्लीन चिट दी दे ही। यह आरोपी है तत्कालीन वन एसडीओ राजनारायण सक्सेना। इनकी जांच करने के बाद लोकायुक्त ने पाया कि भ्रष्टाचार कर खूब कमाई की। छापा मारा और अब क्लीन चिट दे दी।

आय से अधिक कमाई के मामले में लोकायुक्त इंदौर की कार्रवाई सवालों के घेरे में आ गई है। रिटायर्ड आईपीएस संजय चौधरी को आय से अधिक संपत्ति मामले में पहले ही क्लीन चिट मिल चुकी है। अब इसी मामले में लोकायुक्त ने वन विभाग के तत्कालीन एसडीओ आरएन सक्सेना को भी क्लीन चिट दे दी है। इस तरह जांच में दोनों अधिकारियों को राहत मिल गई है। जबकी लोकायुक्त ने इंदौर में दिसंबर 2018 में सक्सेना पर छापा मारा था। इस दौरान उन पर कई दावे और अकूत कमाई का भी उल्लेख किया गया था। यह वही सक्सेना है जो मार्च 2018 में शहर में घुसे तेंदुए को पकड़ने के दौरान हमले में घायल हुए थे।

सक्सेना पर छापे में क्या हुआ था-सक्सेना के खिलाफ यूएस वर्मा हाईकोर्ट अधिवक्ता ने जून 2018 में शिकायत की। इसमें बताया गया कि वह 13 साल से इंदौर में पदस्थ है और भ्रष्टाचार के जरिए करोड़ों कमाए हैं। शिकायत के बाद लोकायुक्त ने इसकी जांच कराई। फिर 6 माह की जांच के बाद इसे सही पाया गया । इसके बाद सक्सेना पर दिसंबर 2018 में आय से अधिक कमाई को लेकर भ्रष्टाचार की धाराओं में केस हुआ। लोकायुक्त ने सक्सेना के निवास पर छापा मारा था। साथ ही पांच जगह एक साथ लोकायुक्त टीम ने दबिश दी। तब लोकायुक्त एसपी दिलीप सोनी थे। छापा डीएसपी प्रवीण बघेल की टीम ने मारा था।

लोकायुक्त ने छापे के बाद यह बताया-जांच में पाया कि सर्वानंद नगर और भोलाराम उस्ताद मार्ग पर सक्सेना के दो होस्टल हैं। छापे में 5 लाख नकद, होस्टल के पेपर, 7 प्लॉट के दस्तावेज, सांवेर रोड पर आदित्य वुड पैकर्स नाम से फैक्टरी, आधा किलो सोना, 5 किलो चांदी के जेवरात, 13 बैंक खाते, सजावट की महंगी वस्तुएं भी मिली।

इन्दौरी मालवी आलू के निर्यात को मिला बढ़ावा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर संभाग सहित इन्दौर जिले में रबी मौसम में सर्वाधिक क्षेत्रफल में बोई जाने वाली और एक जिला एक उत्पाद (ओडीओपी) में चयनित उद्यानिकी फसल इन्दौरी मालवी आलू को अब राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान मिल गई है। भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग प्राप्त होने से इन्दौरी मालवी आलू को अब निर्यात के क्षेत्र में बढ़ावा मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रयासों से प्रदेश स्तर पर सभी जिलों में स्थानीय स्तर पर विशिष्ट उत्पादों को चिन्हित कर उन्हें जीआई टैग दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करने के निर्देश दिये गये।

डिजिटल युग में भी डीएवीवी के कई विभागों की वेबसाइट अपडेट नहीं

सीयूईटी से राष्ट्रीय स्तर पर प्रवेश विवि की वेबसाइट कई वर्ष पुरानी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन दिनों नए शैक्षणिक सत्र के प्रवेश अभियान में व्यस्त है। राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा सीयूईटी के माध्यम से देशभर के विद्यार्थियों को आकर्षित करने वाला विश्वविद्यालय और नेक से ए प्लस ग्रेड हासिल करने वाला डीएवीवी डिजिटल युग में अपनी ऑनलाइन व्यवस्था को लेकर सवालों के घेरे में है। एक ओर छात्र प्रवेश लेने से पहले विश्वविद्यालय और विभागों की वेबसाइट पर जाकर कोर्स,

सिलेबस, फैकल्टी और अन्य जानकारी तलाशते हैं, वहीं दूसरी ओर कई विभागों की वेबसाइट वर्षों से अपडेट नहीं हुई हैं। इससे विद्यार्थियों को न केवल सही जानकारी नहीं मिल पा रही, बल्कि विश्वविद्यालय की डिजिटल छवि भी प्रभावित हो रही है।

डिजिटल प्रबंधन अभी भी प्राथमिकता नहीं बन पाया: शिक्षाविदों के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति और डिजिटल इंडिया की अवधारणा के बीच विश्वविद्यालयों से अपेक्षा की जाती है कि वे विद्यार्थियों को पारदर्शी और अद्यतन ऑनलाइन जानकारी उपलब्ध करवाएं, लेकिन डीएवीवी के कई विभागों की वेबसाइटों पर वर्षों पुरानी सामग्री मौजूद होना यह संकेत देता है कि डिजिटल प्रबंधन अभी भी प्राथमिकता नहीं बन पाया है। प्रवेश सत्र के बीच यह स्थिति विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए असमंजस का कारण बन रही है, जबकि विश्वविद्यालय की शैक्षणिक साख पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। जबकि प्रवेश प्रक्रिया के दौरान वेबसाइट किसी भी संस्थान का पहला परिचय होती है।

मांगलिया रेलवे ब्रिज निर्माण में हो रही देरी से बढ़ी परेशानी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मांगलिया रेलवे ब्रिज का निर्माण कार्य तीन वर्षों से अधूरा पड़ा होने के कारण क्षेत्र के लाखों रहवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे गंभीर स्थिति यह है कि रेलवे लाइन के दूसरी ओर स्थित क्षेत्र के सबसे बड़े श्मशान घाट तक पहुंचने के लिए शव यात्राओं में शामिल लोगों को रेलवे पटरी पार करनी पड़ती है, जिससे हर समय दुर्घटना का खतरा

बना रहता है। लाखों नागरिकों की आवाजाही हो रही प्रभावित: रहवासियों और किसान नेता हंसराज मंडलोई ने बताया मांगलिया रेलवे ब्रिज का निर्माण बेहद धीमी गति से किया जा रहा है। ब्रिज निर्माण के कारण मांगलिया ब्यासखेड़ी मार्ग भी बंद कर दिया गया है, जिससे क्षेत्र के लाखों नागरिकों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। जनप्रतिनिधियों और संबंधित अधिकारियों की ओर से इस गंभीर समस्या की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

ब्रिज निर्माण में देरी की उच्चस्तरीय जांच की मांग-किसान नेता ने यह भी मांग की कि रेलवे ब्रिज निर्माण में हो रही देरी की जांच के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित की जाए। कहीं टोल कंपनी को आर्थिक लाभ पहुंचाने या अन्य स्वार्थ के चलते निर्माण कार्य जानबूझकर धीमा तो नहीं किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।